

الجمهورية الجزائرية الديمقراطية الشعبية  
وزارة التعليم العالي والبحث العلمي

نيابة العمادة لما بعد التدرج و البحث  
العلمي و العلاقات الخارجية

جامعة الحاج لخضر باتنة  
كلية العلوم الاجتماعية والعلوم الإسلامية  
قسم الشريعة

## نظم المعتمد من الأقوال والكتب في المذهب المالكي

للشيخ محمد النابغة الغلاوي الشنقيطي

(ت: 1245هـ/1829م)

دراسة وتحقيق

مذكرة مقدمة لنيل درجة الماجستير في العلوم الإسلامية

تخصص: الفقه والأصول

إشراف الدكتور :  
د/منصور كافي

إعداد الطالب :  
لخضر بن قومار

### لجنة المناقشة

| الاسم واللقب     | الرتبة العلمية | الجامعة الأصلية                 | الصفة       |
|------------------|----------------|---------------------------------|-------------|
| د. مسعود فلوسي   | أستاذ محاضر    | جامعة باتنة                     | رئيسا       |
| د. منصور كافي    | أستاذ محاضر    | جامعة باتنة                     | مقررا       |
| د. بلقاسم شتوان  | أستاذ محاضر    | جامعة الأمير عبد القادر قسنطينة | عضوا مناقشا |
| د. صحراوي مقلاتي | أستاذ مساعد    | جامعة باتنة                     | عضوا مناقشا |

السنة الجامعية: 1425-1426هـ/2004-2005م.

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

---

الإهداء

---

# شكر و تقدير

(1). ( )

:  
.( 376 ) ( ) -1  
.( 463 ) ( ) -2  
.( 463 ) ( ) -3  
.( 643 ) ( ) -4  
.( 684 ) ( ) -5  
.( 1041 ) ( ) -6  
.( 1332 ) ( ) -7

∴ - 1

∴ ∴

(1)

"

"

.

(2)

,

.

(3)

.

∴

∴

(1)

.

(2)

(3)

(4)

(5)

: -2

(1)

(2)

» :

(1)«

ä

ä

ä

ä

ä

ä

(2)

.92 : 1

1994 (1)

---

(1)

(2)

.27 : 1

ää

á

(1)

(3)

(4)

(5)

(6)

»:

---

(1)

1

1

ä

ä

:

.«

.30 29 :



: - 3

.<sup>(1)</sup>( 1865 / 1282) -

.( 1918 / 1336) -

.<sup>(2)</sup>( 1921 / 1339) -

( )

.<sup>(3)</sup>( 2000 / 1421)

( )

.<sup>(4)</sup>( 2004)

: :  
2002/ 1422

:

: -

» : 127-126

.«

: -  
:255

: . . :  
:

183 1828 1829 243 1245 -  
-

. 14 06 : -

. 60 76 : -

: -

) 86 -  
 .( 683 ) ( 726  
 :( ) 140 -  
 ( ) : ( )  
 . .( 736 )  
 : -4  
 :

.185 : 1403 (1) \_\_\_\_\_ (1)  
 1403 : . : (2)  
 (1) 1421 . : .349 : 1 (3)  
 2004 . : . : .619 : (4)  
 .21 : (1)

|   |   |   |
|---|---|---|
|   |   | : |
|   |   | : |
| : |   |   |
|   |   | : |
|   | . |   |
| : |   |   |
|   | . |   |
|   |   | : |
|   |   | : |
|   |   | : |
|   |   | : |
|   | . |   |
|   |   | : |
|   | . |   |
|   |   | : |
|   |   | : |
|   |   | : |
|   |   | : |
|   |   | : |
|   | . |   |
|   |   | : |
|   |   | : |
|   |   | : |

. :

.

:

. -1

. -2

. -3

. -4

. -5

. -6

. -7

. -8

. -9

. -10

.( )

:

-5

:

-

:

.

:

-

.

:

-

.

:

:

-

.

):

-

)

(

)

(

(

)

(

.

(

)

-

.( ) ( ) ( ) ( ) :

-

.

:

-6

. :

. :{ }

. :« »

. : ( )

. :

. :

. :

. : .

. :

. :

. :

. :

. :

. : [ ... ]

. : ( )

. : ( )

. : ( )

•

•

•

•

•

•

•  
•

•

•  
•

•

•

•  
•



•  
•

•

•

•

•

•  
•

•  
•

•  
•







•       

(1) (      ) :

(      )

(2)

(      )

:

:

: : -

.422 : 1378 (2)

: .

---

: (1)

: (2)

.19 : 1418 (1)

( ) : -

(1)

(2)

: : -

( )

(3)

---

...»

(4) «

.36-32 : 1987

.24 :

.476 :

37 :

.608 : 6 1982

---

(1)

(2)

(3)

(4)

( 375- 172)

( 541- 448 )

(1)

· :  
\_\_\_\_\_

(1)

:

:

(2):

(1)

:

-

:

-

-

:

-

-

-

-

-

:

(2)

( )

(3)

---

.23: : (1)  
.212 190: : (2)  
.37-36: : (3)



: (3)

: (1)

(2)

: : (4)

-

(3)

:  
\_\_\_\_\_

:  
\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ (1)

.608 490 :  
.12 : 1403

277 :

. 1220 (2)

.517: : (3)

⋮  
\_\_\_\_\_

(1)

:

(2)

( )

( )

(300)

(3)

:

:

( )

" :

(4)"

---

.217 213: : (1)

.94 : (2)

.41: : (3)

<http://www.almahdranet.mr> (4)

:

-

...»

(1) «

(2)

:

(3)

:

-

(4)

â

.

.

:

(5)

-

-

.

---

|           |            |   |     |
|-----------|------------|---|-----|
| .1032 :   | 1960       | : | (1) |
| .124 :    | 1 2001 (3) | : | (2) |
| .198 :    |            | : | (3) |
| .39 :     |            | : | (4) |
| .229 23 : |            | : | (5) |

(28)

»: ( )  
 .( ) ( )  
 ( )

.(1)«

.(2)

. .1  
 . .2  
 . .3  
 . .4  
 . .5  
 . .6  
 . .7  
 . .8  
 . .9  
 . .10  
 . .11  
 . .12  
 . .13  
 . .14

.114 :

---

. : (1)  
 .199 198 : ; (2)

. :  
\_\_\_\_\_

- -

:

(1) :

: \_\_\_\_\_ :

(60)

-

(15)

-

(06)

-

(05)

-

.( ) :

(03)

-

(06)

-

( )

: \_\_\_\_\_ :

(2) :

(3) ( 1380 )

(12000)

: \_\_\_\_\_  
-

: .28 7 : 1990 (1)

.( ) : (1)

.243 :

.26 18 : (2)

( )

: (3)

.502 : . 1380

|          |  |  |  |  |          |          |
|----------|--|--|--|--|----------|----------|
|          |  |  |  |  | (1)      | -        |
|          |  |  |  |  | ( 1277 ) | -        |
|          |  |  |  |  | ( )      | -        |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  |          | ∴        |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  | (3)      | ( 1233 ) |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  |          | ( 1328 ) |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  | (4)      | ( 1144 ) |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  | (5)      | ( 1209 ) |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  |          | ∴        |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  | (6)      |          |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  | (7)      |          |
|          |  |  |  |  |          | -        |
|          |  |  |  |  | (8)      |          |
|          |  |  |  |  |          | -        |
| . 1277   |  |  |  |  |          | ∴ (1)    |
|          |  |  |  |  |          |          |
|          |  |  |  |  | .540     | ∴ (2)    |
|          |  |  |  |  |          |          |
|          |  |  |  |  |          | ∴ (140)  |
| .564 517 |  |  |  |  |          | ∴ (3)    |
|          |  |  |  |  | .365     | ∴ (4)    |
|          |  |  |  |  | .102     | ∴ (5)    |
|          |  |  |  |  |          | ∴ (6)    |
|          |  |  |  |  | .502     | ∴ (7)    |
|          |  |  |  |  |          | ∴ (8)    |
|          |  |  |  |  | .44      | ∴ (8)    |
|          |  |  |  |  |          | ∴ (7)    |
|          |  |  |  |  | .38      | ∴ (8)    |
|          |  |  |  |  | 573 524  | ∴ (7)    |
|          |  |  |  |  |          | ∴ (8)    |
|          |  |  |  |  |          |          |
|          |  |  |  |  |          |          |
|          |  |  |  |  |          |          |
| .527     |  |  |  |  | 1107     |          |

|   |   |             |   |
|---|---|-------------|---|
|   | : |             | : |
|   |   | (1)( 1277 ) | - |
|   |   | (2)( 1282 ) | - |
|   |   | (3)( 1302 ) | - |
| : |   |             | : |
|   |   |             |   |

|             |   |             |     |
|-------------|---|-------------|-----|
|             | : |             | -   |
| )           |   |             | -   |
|             |   | (4)( 1354   | -   |
|             |   |             | -   |
|             |   |             | -   |
| (5)( 1180 ) |   |             | -   |
| (6)( 1122 ) |   |             | -   |
|             |   | (7)( 1169 ) |     |
|             |   | .           |     |
|             |   |             | (1) |

|            |   |            |       |
|------------|---|------------|-------|
|            | : |            | (2)   |
| .608 530 : |   | . 1277     | (2)   |
|            |   | (400) :    | (3)   |
| .574 518 : |   | . 1282     | (3)   |
| (07)       |   |            | (4)   |
| .526 :     |   | . 1302     | (4)   |
|            |   |            | (5)   |
| . 1354     |   | .572 518 : | (6)   |
|            |   | .152 :     | (7)   |
| :          |   |            | (7)   |
| .510 :     |   | . 1122     | 1169  |
|            |   |            | 558 : |
| .12 :      |   | 558 :      | 1169  |

<sup>(1)</sup>( 1364 )

:

.( 1354 )

:

:

(2)

:

(

) -

<sup>(3)</sup>( 1342 )

(

) -

<sup>(4)</sup>

(

) -

<sup>(5)</sup>( 1396 )

( 400)

( 1292 )

(1)

.570 :

. 1364

.84 : 1423 (1)

:

(2)

(3)

:

1342

.562 516

(4)

.548 508 :

(5)

.574 523 :

1396



:

(1):

: : -  
-----

(1)

(2)

(3)

(4)

(5)

: -  
-----

(1)

(2)

(3)

(4)

: (5)

: (6)

.....

( )

----- (1)



· : \_\_\_\_\_

- -

:

( â) ( â)

(ä ð

» :

( â) (ä ð ( )

(1)«

(2)( ) ( 1233 )

( â)

(ä ð

( â)

ä ä: » :

ä ä

( ) (3)«

( ä ð ( ä ð

(4) ( â)

» :

(5)«

» :

(6)«

---

.477: : (1)

.556 : : (2)

.495 : : (3)

.198 : : (4)

.93 : : (5)

.532 : (6)

(1)

» :

(2) «...

1209

(36)

1209

1245

(3)

:

(4) â ä

ß

:

.«

» :

---

.211 : : (1)

: (2)

.136 135 : 1415 (2)

(3)

.17 (4)

:  
:

:  
:  
-

» :<sup>(1)</sup>

.«

:  
:  
-

:

(2) ä ä ä ä  
(3)

.

:  
-

:

:  
-

:

ä ä ä

.93 : : (1)

.63 (2)

.03 : 1 1399 (3) : (3)

:( )

« »

(1) 1209

:  
\_\_\_\_\_ -

:(128)

:(2)

« »  
« »  
« »  
« »

(3) 1244

» : ( ) : \_\_\_\_\_ -  
(4)« :

( )

: » :

:(5) «

170: 1401 (1) : \_\_\_\_\_ (1)

: 520 580 : : 92 91 : :

.206:

.94 93 : : (2)

.505 : : (3)

.73 : 1345 : (4)

.151 : (5)

(1)

: : \_\_\_\_\_

(17)

:

: -

:( 1041 )

-1

: (500)

: -2

: (134)

:

: -

: -3

( ) » :

(2) «

---

.614 : (1)

.153 : (2)

1345  
 : -4  
 ( )  
 :(953 ) -5  
 : -6  
 (277)  
 :  
 (1)  
 : -7  
 1 1  
 : -8  
 (2)  
 : -  
 : -9  
 » : ( )  
 (3)« :  
 : ( ) : -10  
 :  
 (4)

1994 (1)

---

: (1)  
 .16:  
 (2)  
 .597:  
 (3)  
 .117: :  
 (4)  
 .04:



: ( ) -11

:

(1)

. ( ): -12

: -13

):

<sup>(2)</sup>(

: -

. -14

. -15

: -

. -16

: -

:( ) -17

---

.223: : (1)

.145: : (2)

:

:

:

: \_\_\_\_\_ -1

«

»:

:

(1)

: \_\_\_\_\_ -2

β

-245)

:(254

ä áä ä ä

ää ä

ä ä ää ä ää ä

ää ä ää ä

ä ä

ä ä ää ä

:

ä äâ

ää áä ää

» :

(2)«

- -

:

.25 :

:

(1)

.93 :

:

(2)

(1)

:

\_\_\_\_\_ -

( ) ( )

(11) (10) (09):

:(39) (38) (37) (36)

(2)

:

( ) ( ) ( ) ( )

\_\_\_\_\_ -

.« » :

\_\_\_\_\_ -

(1)

:

ä â ä ä ä ä ä ä ä ä ä ä

(3)

.90 : 1403

.19:

(2)

---

: \_\_\_\_\_ -  
 : ( ) »

(1)« :  
 :(110) (109)

â â  
 :(308) (307) :

:(06) (05) :

(2)

« \_\_\_\_\_ -3  
 » :

:

---

.18: .93 : : (1)  
 : (2)

) ( ) :  
 - ( )  
 . ( )  
 .  
 (14)  
 « » (13)  
 ( 982 . ) ( )  
 . ( ) ( ) (164) (159)  
 :(310) :

: ( ) :  
 (190) :  
 . (193) (192) (191)  
 : -4

(1) :(29) : ( )  
 » :« .. » ( )

..» : ( ) (1)«

ä ä ä :  
 (4)« (3) ä ä (2) ä  
 : \_\_\_\_\_ -5

» : ( )

(5)«

(6)

:(66)

ä :(273)

(7)«

» :

: \_\_\_\_\_ -6

» :

...» : (8)«

(9)«..

(10)«

»:

|        |      |      |
|--------|------|------|
| .25:   | :    | (1)  |
|        | .79  | (2)  |
|        | .187 | (3)  |
| .153 : | :    | (4)  |
| .55 :  | :    | (5)  |
| .60 :  | :    | (6)  |
| .22 :  | :    | (7)  |
| .93 :  | :    | (8)  |
| .479 : | :    | (9)  |
| .148:  | :    | (10) |

: \_\_\_\_\_

» : -1

) :

(

1 :

( ) .

(1) .«

(13)

( 1828/ 1245 ) » : -2

(2)«( ) :

» : -3

: ( )

â ä ä

:

â ä ä ä

ä ä â ä ä ää ä

:

ää ä ää ä

ä ä ä ä ä ä ä

:

(3) «

---

.93 : . : (1)

.532 : . : (2)

: (3)

:  
                          ä                          ä      ä  
      ä  ä                  ã                  ä  ä  ä  ä  
      ä  ä                  ä  â  ä          ä  ä  ä  
(1)                  ä      ä  ä  ä          ä

1245

(2)

---

.211: . : .211 80 : (1)  
614: . : (2)



•  
•

•

•

•

•

•

•

•

•

•

•

•  
•

•

•

•

•

•  
•

•  
•

•  
•

•  
•

•

•

•  
•

•

•  
•

•  
•





: : \_\_\_\_\_

(15):

:(16)

|          |        |          |          |        |       |     |
|----------|--------|----------|----------|--------|-------|-----|
|          |        |          |          | :      | ä     |     |
|          |        | (        |          | )      | -     |     |
|          |        |          | (1)      | :      |       |     |
|          |        | (2)      | (        | )      | -     |     |
|          |        | (3)      | (        | )      | -     |     |
| (6)      | (4)    |          | (        | )      | -     |     |
|          |        |          | (5)      |        |       |     |
|          |        | (7)      | (        | )      | -     |     |
|          |        | :        | (        | )      | -     |     |
|          |        |          | (8)      | (      |       |     |
|          |        | (        |          | )      | :     |     |
|          |        |          |          |        |       |     |
|          |        |          |          |        |       | (9) |
| :        |        |          |          |        |       | (1) |
|          |        |          |          |        | .179  | (2) |
|          | .395 : | 1        |          | :      |       | (3) |
|          |        | .532 :   |          | 93:    |       | (4) |
| (2)      |        |          |          |        |       |     |
|          |        |          |          | .288 : | 1411  | (5) |
|          | .30 :  | 1418 (2) |          | :      |       | (6) |
|          |        | .10 :    | 1406 (2) |        |       | (7) |
| 1421 (1) |        |          |          |        |       |     |
|          |        |          |          |        | .16 : | (8) |
|          | .84 :  | 1404     |          | :      |       | (9) |
|          |        |          | .288 :   |        |       |     |

---

|       |                  |   |    |
|-------|------------------|---|----|
|       | :                | : |    |
| :     |                  |   |    |
| :(02) | (01):            |   | -1 |
|       |                  |   | -2 |
|       |                  | . |    |
|       | ( <sup>(1)</sup> | ) | -3 |
|       |                  |   | -4 |
|       |                  | . |    |
| .     |                  |   | -5 |

:( ) . :  
: \_\_\_\_\_  
: \_\_\_\_\_

( )

( ) :

« » :  
(1) « ... » :  
» :

» : .«  
...

- - .« ...  
(2) « »



:( ) : \_\_\_\_\_

1113

( )

» :

.«

: : 1 » :

.«

:

): .« » :

)

(

)

(

)

(

)

(

)

(

( )

(1)

1175

( ) (

.( )

: .355 :

---

: (1)

: .290: 2

.606 : 1973 (1)



:  
:  
:  
:

.(70) (48) (46 ) :

: (02) -

:(04)

:(26) -

:(27)

(14)

:(22) -

« »

(17)

:(63)

:(66)

: :

---

:

---

-أ

-ب

-

:(233)

ää

-

:(247) (246) (245)

:(254)

|              | : | (314) |   |   |
|--------------|---|-------|---|---|
| . (28) ..... | : |       | : | - |
| . (16) ..... | : |       | : | - |
| . (27) ..... | : |       | : | - |
| . (45) ..... | : |       | : | - |
| . (31) ..... | : |       | : | - |
| . (28) ..... | : |       | : | - |
| . (18) ..... | : |       | : | - |
| . (17) ..... | : |       | : | - |
| . (10) ..... | : |       | : | - |
| . (47) ..... | : |       | : | - |
| . (47) ..... | : |       | : | - |

: :

---

:

( ) -1  
:(17)

( )

:(18)

:(36)

:(38)

(40)

-2

:(20)

-3

:(127) (126) (125)

-4

:(248-245)

(231)

( ) :

-5

:(232)

» :

(1) «

:(257)

|           |       |           |
|-----------|-------|-----------|
| ( ) :     | :     | _____     |
|           | :     | -         |
| .( 1241 ) | _____ | -1        |
|           | :     | -         |
| .( 852 )  | _____ | -2        |
|           |       | -3        |
|           | :     | -         |
| .( 1096 ) | _____ | -4        |
|           |       | -5        |
|           |       | -6        |
| .( 1099 ) |       | -7        |
|           |       | -8        |
|           |       | .( 1180 ) |
| .( 1209 ) |       | -9        |
| .( 1194 ) |       | -10       |
|           |       | .( 1040 ) |
|           |       | -11       |
|           |       | .( 1002 ) |
|           |       | -12       |
|           |       | .( 1136 ) |
|           |       | -13       |
| .( 914 )  |       | -14       |
|           |       | .( 799 )  |
|           |       | -15       |
|           |       | -         |
| .( 1233 ) | _____ | -16       |
| .( 1041 ) | :     | -17       |
| .( 829 )  |       | -18       |
|           |       | .( 1072 ) |
|           |       | -19       |
|           |       | .         |
|           |       | -20       |



|           |                      |
|-----------|----------------------|
| .( 660 )  | -21                  |
| .( 684 )  | -22                  |
|           | <u>          :</u> - |
| .( 672 )  | -23                  |
| .( 672 )  | -24                  |
|           | <u>          :</u> - |
| .( 1032 ) | : -25                |
|           | <u>          :</u> - |
| .( 1041 ) | -26                  |
|           | <u>          :</u> - |
| .( 982 )  | -27                  |
| .( 919 )  | -28                  |



: : \_\_\_\_\_

— — : -1  
:

» (1)

.«

» :( ) -2

(2) «

: (3) ( )

» :

(4) «

( ) -3

: » :  
«

---

.161 47 26 17: . : (1)  
. 395: 1 : (2)  
. 135: : (3)  
.182 165 135 6 : : (4)

(1)

-4

» :

:

«

(2) «

(

) :

-5

» :

:

«

(3)

( )

-6

(121)

(4)

:

» :

-7

«

( )

» :

:

«

(5)

(10)

( )

-8

:

» :

(6) «

. 288 287 : . : (1)

.10: . : (2)

.360 356 355 87 84 : : (3)

: . : (4)

1403

.349: 1

.292 205 23 : . : (5)

52 : : (6)

: (1) -9

( ) : -10

» :

(3) ( ) : (2) « -11

:

---

.52 : . : (1)

.534 : . : (2)

(3)

:           

1995

:  
:            **-1**

( ) -

22 : -

: -

-

: -

1309 26 : -

:

â ( )

:            **-2**

.38319 -

19 : -

-

: -

.( ) : -

:            **-3**

( ) : -

17 -

20 -

.( ) : -

:

:

:

-1

-2

-3

-4

-5

-6

-7

-8

.( )

-9

.

-

-

-10

-11

-12

-13

بسم الله الرحمن الرحيم وعلى الله تعالى حسبي ومجربوه الله وعلمه ولم يتسبب

يقول باد يا مجرب الله ، من بعد الابتداء باسم الله ، مجرب فابعد الاغسلان  
 وفاهم الله من الاغسلان ، مصيبا على مراد مستغيب ، ومن هوى الى العزاة الشنتغيب  
 مستكبا عني الى التيسر ، مقتصا بجملة التيسر ، تستند بسوء الاعراب  
 جريا على العادة في الاعراب ، ونفسك التزيح للافعال ، والعمل الجمال على المنسوك ،  
 واذ تفرقة استنظام ، فهو ما نشق الهلال ، وهو يصيب حيايز تقريبا  
 محضوب ثناء و الجميكا ، صفتند المبتدع بشيها ، ولا الى امر مع بد شيها ،  
 والارغبت في الشفاح ، لانه احق في امرع ، وهو ان تقضي له العفصول  
 والتمسيد من حصوله معلول ، فلهذا لما كان من الناس ، لما به العفصول غير كالتاس  
 مجرب الصبح بالتفسير ، وذلك المنج بالعفيس ، من قول اولهم او كنا بشد  
 لغدوا العفصول بالاعتناء من اجله اصبح في مجاب ، يورور غير الفرس والجماب  
 جلت في ذلك النظر بغير العفصول ، وهو ذكر بغيره لا يعفصول ، من قول اولهم او كنا بشد  
 لغدوا العفصول بالاعتناء ، وكلمة اللفظ في الغص ، من تصدير الكلام في قول البصير  
 ورثا السفتين في شطرا ، او من تقاض العفصول كل ضلع ، على الاستغناء من الله البرديع  
 اطلبها في انواع البرديع ، سلكت فيه مسلك الجمهر ، من نصرة الزاجج كالمشهور  
 يعرف عفران من العفصول الشفح ، وهو شصير لما عذر ومقا ، بكل ما فيه صحيح متبديي  
 في العنبر المثبت والامر الجملي ، احبت فيه ذكر علمه ارس ، ارجوا به العفصول في العفصول  
 لكل من فتر امد في باذلة ، فمحا ومن ينعقد بانم علاذلة ، ايضا فلهذا املها بتمت  
 كذا في اليبافون والربيدان ، واذ في علمتهم كذا فيها ، مملوغة من عسل قانها  
 وذلك فهو مجرب ترتيبا ، وربما اخصتها فليكا ، بفلت وانه دفلي المستندان  
 من بغير الاستغناء الا بعد ، مغرورا في تحريم الشفاح على عيني العفصول ،

وهي قوله والملا عتيد

هو شرح العفصول بسم الله الرحمن الرحيم العفصول كالملا على العفصول في العفصول العفصول كالملا على العفصول في العفصول



ولم يجر نضاهل في العنوي بل تخرج العنوي بغير الافق وكل عالم جزاءك عرجا  
 عن العنوا والفقهاء صر بها اذ كل من لم يعنى نرجيها بعلمه ووجهه اجيبا  
 وكل ما يتبعه ان يوا بفا فوا فعيما لم يكن موا بفا لخر فدا اجماع هاد الاقد  
 بل الحكم لم يوج للاميين وانكر بالضعيف غير هاد ما لم يكن من اهل الاهتداد  
 ادا الفيلو مجبور على شيا وعند نرج راج روال شيا لوزا فلان ذوالنقل الباسي  
 في العمليان مظهر ماسي حكم ففان الوقت بالسنود بيقض الايتيم للذسود  
 والعنوي نجل ام الهيسم موزال في اصوله فبهيما وفول من فله عا الهيسم  
 الله سدالما بغير مقلتي وفاله بافاة البرجندا المرفوزة كذا بجنسها  
 والخرج ان بسيم من لم يعلم مع رفقة قامونتك يسلم ويبعد الميخذ البشفا  
 ميوزها للمنتم البنيضا ويبيضان القرني بجنسها حارضا لا او هلاكا بجنسها  
 امتنا الله من الاماقت في البر والذنيا والوعبات

وهو صريح في الامور  
 والاهم المشتمل على

الشيخ ارحامه ان ذوقه  
 لم يمتد الى كل الاعمال بل يكتفي بما قدم  
 ارحامه في قوله من بيده بالازفة

مصل في المعتمدين من الافعال والكذب في العنوي

بيان ما اعتمروا من افعال وكذب وسائر الاسوان مجابه العنوي فبوز المتعدي  
 عليه بالراجح سوف نغني بغير المشهور بالاسلام ان عوم التي يجمع في المشتمل  
 ورجحوا اسطر الغار جند والشخص بالبر ان بيست غاربه وعان ففوز او تعلم  
 في ساند انه يجمع في تكلم واعتمروا النظر في المبر او عين وابلورونه للبر في عني  
 واعتمروا امان فل الغلقتا نبي على الرسالة لهذا السندي واعتمروا انبصم البرموز  
 وركبوا في ملكها المشتمل واعتمروا انبصم التخمبي ولزكي لعالم اميري  
 الكندوزي باختياره مذهب وان للبر امتيار واعتمروا الجامع باريد نفس  
 وكذا يوعم مصعبا الى نسي واعتمروا ابا البر سنبل والملازير ورسول للمتشهد  
 واعتمروا انهر الى في الوسطا السفي في تخفيفه وامنش واعتمروا احاسية الكتاب  
 ومنه جات زبون الاول كتاب ونم وسماله والى ما سلم من خلق عنوا اختفاد الكلم

والذي اعرفه في مشاف بغيرها  
 كما في العنوي مذهب ما لا شك

والكتاب اسم كذا احسم بعد الشيخ بيد  
 الكتاب وجمع على وكتاب اسم لشكوة القبر

واعتمروا

٢٠٨٧  
 ايقينك القضاء من كل احد بل نحو ايام انما من كل جنس و ربما كان الجهول انت  
 اهل العلم فوجوه منه و ربما اصب للمناصب و ربي الاماني فامسك  
 التي لها السخط من اربابها و ان كان العلم ارفع حرف و ربما توريت المناصب التي  
 لفترة من كليات فوجئت مثل الامانة او انضاء و جهل فاذ ليس و انضاء  
 و بعضهم من فئة الاستكبار و قد يوجب العقوبات الشك و والعرى ان الحكمة في انضاع  
 و هو في العلم بل الانشراح و يقال في تكميله ميسرا و مئيب مثل الانجم الميسر  
 اشارة العقوبات التي تنبع و الحكمة انشاء و تبايعا على و والبرم العقوبات التي تها على  
 و الحكمة للجم من الورع عيسى هزل و من عوز انبا جلد من الرياضه و طرح الاستبانه  
 هزل ما ينعاه و جاهد و دينا يعلم طلب الفاصح من ان من عرف حكم جليل و معاه  
 هل كما مسووع و اسمع به و النك لا يرفع الخلاف و تحكيمه توستات الا  
 بطل بغير الحكم لتضليل بقده من اذ السيفين عن ان اسلفه و مليح من مع الخلاف  
 مما ظهر لا في ذلك كما اما الفاعل بليب مصر بعين من حكمه المروج حيو و يجتبي  
 بل في منغفه من الخبر و ارضيه به على العوجه خبره و نقله التناو من الفاعل  
 و ابو من العاري الزبانه و الضمان على منواعه و بيانها جامع في الاثر  
 و قال ليا انفق حكمه نبع و مما ارجع اعمل و روح عالم نبع و بان ابي ما يجهل عمد ما اتبع من  
 بالعلم نعم للمفسر و الفعلي و ففوق العلم كمالا و وربما انساب ان اول  
 و من تصور كماله و ان عرفه بالسر و الهول و و خلد كمثل الحكم  
 بجل السعير و لا تسار و وهذا كذا في ما فوريه في و لا يبتهي كلاكه و اذ انتهي  
 مصويع و بعب جور الربع و محصور من ذرا التي في جعلت خير المرسليين خاتمه  
 تليق اننا لمع النمانه و يجوز من عليه القيسه و باننا و شميلة مسووع  
 و الان و محمد اهل الكمال و اجمع و ايمان و العمل و و من كذا و و صلا ما عا (شبهه)  
 و انحرته يقين منتظمي (شبهه) ١٣٥٥  
 كلفت النكوة المستوحقة للعالم القلائد يسير في  
 ايدى الفاسد القلايد التي استخفت على علمات الايمانها  
 الا الابلات من العترة و هو النكوة غرب  
 انبيد من عوز الزفسان المنير  
 ارضنا و اربابا سكاك  
 الا و دواي و ان  
 و عو انان  
 الا و ان  
 رابعه

حيا  
 من الراجحة جله من  
 من علمه فاشبهه و ان  
 من الراجحة جله من  
 وهو من هو من العلم

بفتح الهمزة على كل شيء - صلى الله على خيرنا محمد وآله

|                          |                                 |
|--------------------------|---------------------------------|
| دفعوا بهاء ياء في الضم   | في بعض ما يقرأ بهاء بفتح الهمزة |
| فجر فاجعة المفسدات       | وفلح فتح الهمزة المفسدات        |
| مطلبا على صراط مستقيم    | ومن قرأ على الصراط المستقيم     |
| فشتكيا ضعيف الهمزة       | دفعها بجعل الهمزة               |
| تملأ بصوت الهمزة         | جريا على العادات والاعراف       |
| ونقل التمر جميع بلا فوال | باجعل الجارة على الهمزة         |
| والدفع تراعى استعمالا    | بعضه انثر الهمزة                |
| وهو بسببها في قبض الهمزة | مستوحية ثبات الهمزة             |
| ضمنة الهمزة مع بيتها     | بالحال الهمزة في جمع بل يثبتها  |
| والمنازعة المنطوق        | بانه احضر لدى المراسم           |
| وهو الخ تصغر له العفوة   | والشيف في حصوله معلول           |
| هزاو لما كان حالها ليس   | فما به العتوى عند ان الناصب     |
| فجلاو الصبح بالشفيع      | مؤلف الهمزة بالعرفان            |
| في جملة اصبح وجماع       | لم يدري من العزم والنجاب        |
| جلى في الفصح بعض الفقر   | ويذكر بعضه بالاعتدال            |
| من قول او طوة او كتاب    | لغاصر العتوى بلا محاب           |

والله

وكلمة الخلق عنو الخبير من هو ايدى الكلام نور انبي  
وربما لست من نظايى او من كلام الغير كل كما في  
بها لست عانة من اعد البديع الكلهما ثم بانواع البديع  
سلكت فيه صله الجمشور من نصوص الراج كما مشهور  
يعرف فزو من الغنى التجمع وهو شبيه كما اعتوسه  
وكل ما فيه علم عجب لى به انجز الميث والما را جلى  
احيت فيه ذكر علم دار من ارجواند الة علومه المدار من  
لاكل من قدر اعدى بانذله نهار من ينظر ما نصر على انه  
ايضا تها الا حلقا قبياءه كانهما ليا فوقه والى حيان  
بدا فته عليهم كليله من عمل فله لى  
تدلف فكموفها تليله وزها الحضرة فليلا  
قفلت والله تعلم المستعان ومن يقسم احتطاه لا ارماع  
لم يفسر منه انتم من التماثل البتوى  
ولم يجر تماهله البتوى بل تخريم البتوى بغير البتوى  
كل عالم بذاته عمياء عن الفتاوى والفضاء صرفا  
ان كل من لم يقتره حياءه فعله ودينه اجماعا  
وكل من يكيداه يوايقا فواضع علم يحصر موادنا  
لمر فدا اجماع هلا الهه بانكم بانم جرح بلا يشره  
والحكم بالضعيف غيرهاه عالم يكن من اهل الاجتهاد

من ثمة خلق في حكم جليل وجلد  
 والخل لا يربى تبع الخلف  
 من بلاد مشرقية انتم جلد  
 من بلاد اهل بيتك والاف  
 فليس يفرغ الخلق تعلم يرد  
 من بلاد اهل بيتك الى كذا  
 اما القلاد فليس يعقب  
 من حكمه الوجود عين يتجني  
 جل فهو يفضد في المني  
 ارضيه يد على الوجود حر  
 فله انما وجد عن العقب  
 المني في والعارف الرباني  
 وفي الصلح من فواعد  
 مثاقير وجمع في اللزاي  
 من نفع حكمه فيه  
 بما لبي او علو مع ما لم يبي  
 فان ابي ما جعل عند ما التقى  
 بما تعلم نعم المفتي وانفتي  
 ودرى للعلم ثم العمل  
 ورثت الكسب ثاه او كذا  
 من تصور بله اروا  
 عوفه باخر ما وانموه  
 وحله كمثل الحمير  
 في الاربعة اوتها تبار  
 فيهما انهما بار عا فرب  
 ثمانية من كلدرا اية الفتى  
 بصولة في كعب جبر رابع  
 محصون باربع فزال الاربعة  
 جعلت عين المصلح خلفه  
 لعلمه اذبال حمير الخلد  
 في صاعده المني  
 بماقنا وسيلة الكسوة  
 وداله وعبيد اهل الكمال  
 من النجوم والمير والهمال  
 انكم صالحة وصلح ما التقى  
 والحق للشد يعني مشهبي  
 تمتا ويا من عمتا ويا من عمتا  
 وحمير عمتا وقوم عمتا  
 ربي في الجبر الى موكره الفخ  
 به عمر بنوا لمر

و...  
 ط...  
 ...

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ طر الله ولم على بسببنا محمداً ووالد وعبد

عزله اجرة جوزة الكليكية في اصول المرحبا

لمحمد انما بغنة تغلاوقا الششفيكم

يقول بل د بها بجر الله من بعد الله بتراء بان و نده

مجر نه بغة الاغلال ، وفاهم الله من الاغلال

مصلها على صراء متفيم ، ومن هوى التي الصراط المستقيم

مستكفا ضيع التي التي ، ممتها بجبله المتب

نسلة اللطف من الاحوال ، في العمل الجلي على المنوال

و، اذ نت براعة استهلال ، بعض ما يتبع العلاء

و هو بسفي جازر تفقيلا ، مستوجيب تباير الجميلا

ضفته الكنية مع يتتيفا ، فوم الكثر جمع مع بد قيسلا

وانما عتية النظم ، لانه احضن لى السرا

وعو التي تصغر له القبول ، وسيف من جعله مصقول

عزرايلا كان جل الناس ، مما به العتور غير الا لانس

مخلك الصحيح بالسيف ، وخلق المشج بالعين

من جعله اصبح في جدي ، ثم يبر بين الفرص والنجاب

جلبت في ذال النظم بعض المعن ، وفيه ذكي بعض ملا العتم

من قول او كلمة او كتاب ، لفا صر العتور به عندا

وكذا ما اطلعت غزوا البحر ، وسأبر اللعاب في نور البحر

وربا سفت من نطق ، او من نطق الغير كل كلام

جلا استعانة من الله البين ، اكلبها ثم با نواع البير

صلاكت فيه مسلك المحذور ، من نكر الراجح كلام مستعد

يجو فركا من الغي السم ، وورثه بين جماعة وسعدا

ك  
تو محمداً بنار بفتح با عرا  
تو بما ك 124

بكل ما فيه شيء منجلى ، ، في الحنجي المنبت واللامى الجلى  
 اجبت فيه علم دارى ، ، ارجوا به الرعاه في امر ارض  
 لكل من رآه كى ياذك ، ، نعمها ومن ينفع بلان علا ذله  
 ايباها لاهلها شحان ، ، كانهما الاله افوق وانى حان  
 دارية علم كلالها ، ، مملوكة مر عسل بلا بعد  
 وللت فكونها تزيلا ، ، ورنما اجتمعا قليلا  
 فلت والنت على المستعان ، ، جى بغيره استعان كلابان  
 ، ، مفرمة في انتما على البعثور ، ،  
 ولم نحن تسلا جل بالبتور ، ، بل نحيو البتور بغير اللافور  
 وكل عالم بنزاه عار ، ، عن القتا ووالقفا صارو  
 ان كل من لم يقتر زحما ، ، فعلمه ودينه احيما  
 وكل من يقية ان يوا بقاء ، ، فولا ضعيفان بين موا بقاء  
 نحي منه اجماع بين اللات ، ، فالحكم بالحقى حوج للاية  
 وانكم بالضعيف نغى ياد ، ، مالم يكرمه اجل الاجتهاد  
 اما الفلكن مجبور عليه ، ، وعن تزلرا اجماع ردا اليه  
 لمزما قال ذوالنظام الباع ، ، في العمليات لانه باس  
 حكم فضلا ، الوقت بالسزوخ ، ، ينقض لا يتم بالنعوذ  
 والملكوتى نجل ابراهيم ، ، فذ قال في اصوله تعهيا  
 وفول من فلو عالما لفي ، ، الله سلما بغيره مخلص  
 وقال في اضاءة الرئحة ، ، المغرى فولة كلابنة  
 والنجى ان يقى من ييسلم ، ، مع رغبة مامونة كى يسلم  
 ويسلا النجة البيفلا ، ، وبعثيات الكربة يخفتى  
 سار ضلالا او ملكا لا يقضى انما الله من اللجان  
 في الدين والدينيا الى الويل  
 وقد (ج)

وفيه من العلم ثم العملاء، وربما اكتسبتان أولاً  
 ومن تصدر بلا أو -، عوفب بالحرفان واليهوان  
 وخلة كمثل الحمار، - يحمل أسجاراً ولا تمار  
 وهذا نظماً بأربعين يشي، لا ينتهي صلاة إذا انتهى  
 فهو له في كعب حذر أربع، محصورة بأربعين إذا المربع  
 جعلت خيراً لسلي خاتمه، لعلمه أنال حسى الخاتمه  
 محمد صلى عليه وسلم، وبالناس وسيلة سواء،  
 ودالم وحجب أهل الكمال، عدم النجوم واليهاء والرومال  
 أذكي صلاة وسلام ما انتهى، والحمد لله بغير منتهى

تمت وبالخير عمت

الم



•  
•

( 1829/ 1245 : )



(2) ä ä ä ä ä ä ä ä (1) ä ä ä ä 1  
 (4) ä ä ä ä ä ä ä ä (3) ä ä ä ä 2  
 (6) ä ä ä ä ä ä ä ä (5) ä ä ä ä ä ä 3

( ) } : \_\_\_\_\_ (1)

. : {  
 .6283: 16 : 5 1416 (1) .

1420 (3)  
 : .{ } : 4840 281 : 4  
 1 . :

.1894 610 :  
 } : (2)

.{ ( )  
 : 17 16: 5 : .  
 1415 (2) : ,6284

.127 : 13 (3)  
 ä

. : .  
 .71 ä ä ä ä : (4)

: (5)

. :  
 . 56: 1324

.24: 1324  
 .52 . ä ä ä ä ä ä : (6)

|               |               |   |
|---------------|---------------|---|
| (2) ä ä æ ä ä | (1) ää ä ä ä  | 4 |
| (4) [ä â ä    | (3) ä â ä ä ] | 5 |
| ä ä ä ä ä     | ä ää ä â â    | 6 |
| (6) ä ä â ä ä | (5) ä ä â â   | 7 |
| (7) « ä ää ä  | ä ä æ ä »     | 8 |
|               | (8)           | 9 |

|       |     |               |     |
|-------|-----|---------------|-----|
| .58   | ä ä | â ä :         | (1) |
| .103  |     | ä ä ä ä ä â : | (2) |
| (206) | — — |               | (3) |

» :

|         |          |   |   |   |     |     |
|---------|----------|---|---|---|-----|-----|
| .435: 1 | 1411 (5) | . | . | : | «   | (4) |
|         |          |   |   |   | ( ) | (5) |
|         |          |   |   | : |     |     |

|   |       |       |   |   |  |     |
|---|-------|-------|---|---|--|-----|
| : | .63 : | 1416  | . | : |  | (6) |
|   | .419: |       | . |   |  | (7) |
|   |       | .64 : |   |   |  |     |

|    |        |   |   |  |     |     |
|----|--------|---|---|--|-----|-----|
|    | -      |   | - |  | 628 |     |
| :  | .      | : | . |  |     |     |
| ): | .12: 1 | . |   |  | (   | (8) |
|    |        |   |   |  | :   |     |

|         |   |         |     |
|---------|---|---------|-----|
| .364: . | : | (11 10) | ( ) |
|---------|---|---------|-----|

|       |   |                  |   |      |                  |   |        |
|-------|---|------------------|---|------|------------------|---|--------|
| (1) « | á | ä                | » |      |                  |   |        |
| «ä    | â | â                | â | â    | ä                | ä | ä » 10 |
| «     | ä | ä                |   |      | ä                | ä | » 11   |
| ä     |   | ä                | ä | ä    |                  |   | 12     |
| (5)ä  | ä | ä <sup>(4)</sup> | ä | (3)ä | ä <sup>(2)</sup> | ä | 13     |

(1)

á ä ä â

( ) ( ) :

( ) :

.236 : 2 . :

.

.23: 3 . :

.277: 4 . : :ã ä :ã (2)

»: .231: 1

: .«

.27: 1 1417 (1)

.127: 4 . : (3)

.«... : » :

.35: 1414 (1)

1 . : : (4)

.207:

ä : : (5)

150 : 4 . :

.121 : 1420 (1) : . :



|     |     |           |                |    |
|-----|-----|-----------|----------------|----|
|     | (1) | ä â       | ä              | 21 |
| (2) | «   | ä â ä ä ä | ä ä ä äâ       | 22 |
|     |     | ä äâ ää â | (3) ä á ä ää ä | 23 |
| (4) | «   | ä æ â »   | âä â â ä       | 24 |
| (6) |     | â         | ä (5) ä ä      | 25 |
|     | (7) | ã ä ä     | á ä            | 26 |

|   |            |             |          |
|---|------------|-------------|----------|
|   | ä          | ä ä ä ä ä : | (1)      |
|   |            |             | .37      |
| : |            |             | (2)      |
|   | ä äâ ä ä ä | äâ ä ä ä    |          |
|   |            | ( ) :       |          |
|   | «          | ) :         |          |
|   |            | .236 : 2 :  |          |
| : |            |             | (3)      |
|   |            | .212 : 2 .  |          |
|   |            |             | (4)      |
|   | ä          | ä ä ä ä ä   |          |
|   |            |             |          |
| : | «          | » :         |          |
|   | ä          | :           |          |
| . | «          | » :         | ( ) : 85 |
|   |            | .257 : 2 .  |          |
| : |            |             | (5)      |
|   |            | .179 : 1 .  |          |
|   | .58 :      |             | (6)      |
|   | .14        | ä ä ä :     | (7)      |

|     |       |     |        |     |    |  |  |
|-----|-------|-----|--------|-----|----|--|--|
| (1) | äá    | ä â |        |     |    |  |  |
|     | ä (3) | â   | (2) ä  | â ä | 27 |  |  |
|     |       | ää  | (4) ä  | ã æ | 28 |  |  |
|     |       | (5) |        |     |    |  |  |
| (7) | â ä ä | â   | (6) ää |     | 29 |  |  |
|     |       |     | ä ä ää |     | 30 |  |  |

|    |          |        |      |     |         |     |     |
|----|----------|--------|------|-----|---------|-----|-----|
| :  | .        |        |      |     |         |     | (1) |
|    |          | .648 : | :    | 40: | 4 .     |     |     |
|    | .14      |        | ä    | :   |         |     | (2) |
|    | .        |        |      | :   | :       |     | (3) |
|    | .        |        |      |     | .140 :  |     |     |
|    | .18      | ä      | ã ä  | :   |         |     | (4) |
|    |          |        |      |     | ( )     |     | (5) |
|    |          |        |      |     | :       |     | (6) |
| .  | :        |        |      |     |         |     |     |
| :  | 148 147: | 15     | .    | :   | 365 :   | 4   |     |
| .  | .        |        | .    | :   | 569 :   |     |     |
|    |          |        |      |     | .32 :   | 1   |     |
| .« |          |        | » :  | :   |         |     |     |
|    | .40 :    | :      | 32 : | 1 . | :       |     |     |
|    |          |        |      |     | »:      |     | (7) |
| :  | .        | .«     |      | :   | 32 :    | 1 . |     |
|    | .        |        |      | :   | 73 74 : | 1 . |     |
|    | .5:      | 12     | 1401 | .   |         |     |     |



(2) ä (1)ä ä

(3) ä ä ä ä ä ä ä 31

â ä (4) ä ä ä ä ä ä 32

— — » : : (1)

23

ä ä

( ) ( )

: ( ) ( )

ä

:

14

:

4

ä ä ä ä ä ä ä :

: 66

ä ää :

: 71

ä :

12

ä ää :

.86 : 6

:

.«

:

.«

» :

.12 : 1

» :

(2)

ä ä

.65 : 1 :

.«

(3)

.218 : 1

» :

: .

.

:

.«

.113

:( ) (4)

|     |                    |     |     |   |     |     |   |    |    |
|-----|--------------------|-----|-----|---|-----|-----|---|----|----|
| (2) | ä <sup>(1)</sup> ä | â   | ä   | ä | ä   | ää  | ä | 33 |    |
| (3) | ä ä                | ä ä | â ä | ä | ä   | ä   | ä | 34 |    |
|     | ää                 | ä   | ää  | ä | à   | (4) |   | 35 |    |
|     | ää                 | ä   | âää | ä | (5) | ä   | ä | ä  | 36 |

---

» : . ( ) (1)

.49: . : .«

» : (2)

. «

» : 127: . :

: . «

.93 : 1416 (2)

. : (3)

:

1345

» : .3:

:

: .«

á

.74 73 : . : 49 : . (4)

.649 : . : 327: 1 . :

.30: 1 . : .« »:

:

(1)

.329: 2 1409 (5)

(170)

« » :

: (400)

=

|                    |                    |        |   |    |
|--------------------|--------------------|--------|---|----|
| « <sup>(1)</sup> ä | ä ä                | ä ää ä | » | 37 |
| ä ä ä â ä          | <sup>(2)</sup> ä ä | ä â    |   | 38 |
| <sup>(3)</sup> «   | â ä                | ä ä    | » | 39 |
|                    |                    | ä ä ä  |   | 40 |

---

.315 : . : . 1096 (1)  
 » :

: « .94 : . ä (2)

.37: . : . 1233  
 .513 : : .175 : : (3)  
 » :

: .« .271 : 2 .

|                |    |                   |                  |   |                   |   |    |      |
|----------------|----|-------------------|------------------|---|-------------------|---|----|------|
| (2)            |    | ââ <sup>(1)</sup> | ä                |   |                   |   |    |      |
|                | «ä | ää                | ä                | ä | ä                 | » | 41 |      |
|                | «â | ä                 | ä                | ã | â                 | » | 42 |      |
|                | «  |                   | <sup>(4)</sup> á |   | <sup>(3)</sup> ää | ä | ä» | 43   |
| <sup>(5)</sup> | «ä | ä                 | ä                | ä | ää                | ä | ää | » 44 |

---

: ä <sup>(1)</sup>

( ) -

:

:

. : . 1041

.300 : . : 144: 3 1980 (4)

.210 : 4 . : : (2)

: « » : : (3)

.51 : : .

» : - -

:

ä ä :

.«

: . :

.171 : 1981 (1)

.335 : 4 . : : (4)

: (44) (43) (42) (41) : (5)

(132) (131) (130) : :

: (133)

.30 29 : .

|     |     |         |                 |    |
|-----|-----|---------|-----------------|----|
| ä   | ä   | ä       | ä æ ä ä         | 45 |
| (3) | (2) | (ä ) (ä | (1) ) ä ä       | 46 |
| ä   | ä   | ä æ ä ä | (5)( ä ) (4)ä ) | 47 |
|     |     | (6) ä   |                 | 48 |

|      |        |      |              |     |
|------|--------|------|--------------|-----|
|      |        |      |              | (1) |
| :    | 24 :   | 1990 |              |     |
|      |        |      | .40: 1 .     |     |
| :    |        |      |              | (2) |
| 45 : |        |      | 220 : 1 .    |     |
|      |        |      | .17: .       |     |
| 3 .  |        |      |              | (3) |
|      |        |      | .286 :       |     |
|      |        |      |              | (4) |
|      |        |      | .64: 2 .     |     |
|      |        |      |              |     |
|      |        |      |              |     |
| » :  | .18: . |      | 62: 1406 (1) |     |

|  |           |           |    |      |
|--|-----------|-----------|----|------|
|  | .45 :     |           | .« |      |
|  | .366 :    |           |    | (5)  |
|  |           |           |    |      |
|  |           | .37 : 1 . |    | 46 : |
|  |           |           |    | (6)  |
|  |           |           |    |      |
|  |           |           |    |      |
|  | .40 : 1 . |           |    |      |

|       |       |       |                |
|-------|-------|-------|----------------|
| (2) ä | (1) ä |       |                |
| (3) ä | ää ä  | ä ä   | ä ä ä 49       |
| (7) ä | (6) â | ä(5)ä | ä (4) ä ä ä 50 |
| ä     | ää    | (8) ä | â 51           |

---

|      |        |       |                     |
|------|--------|-------|---------------------|
|      |        |       | :( ) (1)            |
|      |        |       | » : (2)             |
| .67: | .      | :     | .« (3)              |
|      |        |       | » : (4)             |
| .71: | .      | :     | .« (5)              |
|      |        |       | :                   |
|      | :      |       | هـ 400              |
|      | :      | .112: | .                   |
|      |        |       | .72 : . : .105: (6) |
|      | ( )    |       | :                   |
|      | هـ 240 |       |                     |
| .69: | .      | :     | .160: . . : (7)     |
|      |        |       | .82: . . : (8)      |
|      |        |       | :( ) (9)            |
|      | » :    |       | - - (10)            |
| .«   |        | » :   | «                   |
| .34: | :1 .   | :     | .69 : . : (11)      |
|      | .247:  | .     | .                   |
|      |        |       | :                   |
|      |        |       | (12)                |
| :    | .78 :  | .     | :                   |
|      |        |       | . 863               |
|      |        |       | .258 : .            |

|     |         |     |            |    |
|-----|---------|-----|------------|----|
| (2) | ä ä ä ä | (1) | ä äæ       | 52 |
| (4) | á ää    | (3) | ä ä        | 53 |
| (5) | ää áä   |     | ä ä ä â âä | 54 |

(1)

« » :

: ▲ 799

: .222 : . : .30: .

.28 : .

41 . ä ä ä : (2)

(3)

. : . 478

.75: . : .117: . : .203:

(4)

: .

.247: . : .479: 2 1401

»:

(5)

.« :

»

: .78: . : .«

: .35: 1 . : .797: 2

.186: . : .328: 2 .

» :

( )

.75: . : .«

|              |            |    |
|--------------|------------|----|
| ä ä          | (1)ä ä ä ä | 55 |
| ä ä ä (3) äâ | (2)ä       | 56 |
|              | ä ä (4)    | 57 |

(1)

. 451 « » :  
 : .274: . :  
 .76: . : .111:  
 (2)

.279 278 : . : . 520  
 .76: . : .129: . :  
 - (3)

» : -  
 » : «  
 «

: . 536  
 279 : . : 113 : .  
 .77: . : 127: . :  
 (4)

:  
 « »  
 : . 805  
 .239 : . : 101: .



|     |   |    |                      |    |                  |   |               |
|-----|---|----|----------------------|----|------------------|---|---------------|
| (2) | â | ää | ä <sup>(1)</sup> [æ] |    |                  |   |               |
| (4) | ä | â  | â                    | ä  | (3)              | ä | <b>58</b>     |
| (6) | ä | ää | ä                    | ää | ä                | ä | (5) <b>59</b> |
| (8) |   | ää |                      | ä  | ä <sup>(7)</sup> | â | <b>60</b>     |

â ä ä : ( ) (1)

.09 ä ä (2)

ä ä : : (2)

.15 (3)

:

» :

.«

.309 : . : .337: . : . 954 (4)

ä : (4)

) : .136: 1 .

( ) .(

.309 : : . (5)

.289 : . : .126: . : . 1015 (6)

» :

.48 : : .« (7)

- -

:

:

: .324 : . : . 897

.262 : . (8)

» :

.48: . : .«

|        |                  |     |     |     |                  |           |
|--------|------------------|-----|-----|-----|------------------|-----------|
| (2) ää | ä                | ä ä | ä   | ää  | ä <sup>(1)</sup> | 61        |
|        | ä <sup>(4)</sup> | á   |     | (3) | ä                | 62        |
| (6)    | â                | ä   | ä   | (5) | ä                | ää ä ä 63 |
|        |                  |     | (8) | ä   | (7)              | ä 64      |

---

(1)

:

: . 875

.259 : . : .83 : .

.82: 2 . : . : (2)

(3)

.337: . . : . 803

.227: . : .274: . : (4)

:

.252 : . : .293 : . : . 842 (5)

:

- - (6)

» :

» : «

: . .«

.3 : 1 . : .310 298 : . (7)

- -

: . 570 :

.163 : . : .199 : . (8)

=: :

|                     |                  |   |   |           |      |
|---------------------|------------------|---|---|-----------|------|
| ä                   | ä <sup>(1)</sup> | á | ä |           |      |
| (4)[ <sup>(3)</sup> | ä                | æ | ä | (2) ä ä ä | ] 65 |
| (6)ä                | ä                | ä | ä | (5) ä ä ä | 66   |
|                     |                  |   |   | (7) ä ä   | 67   |

---

|        |        |      |
|--------|--------|------|
| . 857  | :      | =    |
| .262 : | 52 :   | (1)  |
| :      | :      |      |
| .181 : | :      | 486  |
| :      | .122 : | (2)  |
| :      | :      |      |
| .276:  | .333 : | 919  |
| :      | :      | (3)  |
| :      | :      |      |
| :      | .298 : | :    |
| :      | :      | .36: |
| :      | .219 : | 1383 |
| :      | .( )   | (4)  |
| :      | :      | (5)  |
| :      | .340 : | :    |
| :      | .280 : | (6)  |
| :      | ( )    | :    |
| .264 : | 1      | (7)  |

|         |                      |                          |
|---------|----------------------|--------------------------|
| (2)     | á ä <sup>(1)</sup> ä |                          |
| (5)ä    | (4) ä                | (3)ä â ä ä 68            |
| ä â     | ä ã â                | (6) ää ä 69              |
| (7)     |                      | ä 70                     |
| (10)ä ä | (9) ä                | ää ä <sup>(8)</sup> ä 71 |

(1)

:  
 : 942 :  
 .272 : . : .335 :  
 : ( ) ( ) - (2)  
 (3)  
 ( )  
 .202 : . : .100: . : . 683 (4)  
 204: . : . 734  
 .218 : . : (5)  
 .179 : 1 . : : (6)  
 :  
 .58 : . : . 903  
 .268 : . : (7)  
 ( ) :  
 . 883  
 : 265 : . : 359 : . :  
 .278 : 2 . (8)  
 ( ) :  
 . 914  
 87: . : .  
 .274 : . : (9)  
 .48: . : .« »:  
 .( ) ( ) (10)

(1)

|        |       |       |   |   |    |
|--------|-------|-------|---|---|----|
| â      | ä     | ä     | á | ä | 72 |
| ä      | ä     | ä     | ä | ä | 73 |
| (4) ä  | (3) á | ä     | ä | ä | 74 |
| (6) ää | ä     | (5) ä | ä | ä | 75 |
|        |       |       | ä | ä | 76 |

---

.( ) (1)

(2)

:

303 : . : . 1066

.123 : . : (3)

.170 : 1 . : » : (4)

:

.48 : . : .« (5)

.317 : . : 1106 (6)

. : . 1099

.304 : (7)

- » :

«

: 317: : . 1101

.111: .

|     |  |    |
|-----|--|----|
|     | ä ä <sup>(1)</sup> ä                                       |    |
| (2) |  | 77 |
|     | <sup>(3)</sup> [ ] ä ä                                     | 78 |
| (7) | ä <sup>(6)</sup> ä ä <sup>(5)</sup> ä <sup>(4)</sup> ä ä ä | 79 |
|     | ä ä ä ä ä ä <sup>(8)</sup> ( ) ä                           | 80 |
|     | ä ä ä ä ä ä ä â  | 81 |
|     | ä ä ä ä ä ä <sup>(9)</sup> ä ä ä                           | 82 |

---

(1)

. : 1120

.76 : 12

( : ) » : (2)

.48: : .«

:( ) (3)

:( ) (4)

(5)

:

: . : .▲ 1209

.372

.64 : (6)

(7)

. 1194 :

.357 : :

.107 : :( ) (8)

: » : (9)

: 1

.48: . : .«

|     |                         |    |
|-----|-------------------------|----|
|     | ä ä ä ä                 | 83 |
|     | ä ä ä ä ä ä (1) ää ää ä | 84 |
|     | ä ää ä ä ä ä ä ä ä      | 85 |
|     | ä ä ä ä ä ä ä ä ä ä ää  | 86 |
| (3) | ä (2) ä ä               | 87 |
|     | ä ä ää ä (4) ä ä        | 88 |
| (5) | ä ä ä ä ä ä ää ä        | 89 |
| (6) | ä ää ä ä ä ä ä ä ä      | 90 |

---

(1)

.332 : . : .▲1129  
 :( ) (2)  
 » : (3)

.49 :  
 (4)

.120 : 11 . : .▲ 1166  
 » : (5)

.«

.49 : . :  
 111 : : (6)

|                  |              |    |
|------------------|--------------|----|
| ä ä (4) ä (3)    | (5) ä (1) ää | 91 |
| ä                | ä(5) ä       | 92 |
| (6) ä ä â â á ää | ä ä â â      | 93 |
|                  | (7) ä ä ä    | 94 |

---

(1)

: .▲ 1040  
:  
.299 : .  
.04 : .  
- ( ) : (2)

.287 : : .▲1002  
:  
.341 : :  
.316 : 2 1991  
.110 : : (3)  
.112 : : (4)  
: (5)

. 1090  
.314 : :  
» : (6)

.244 : : .«  
(7)



|      |                          |        |          |
|------|--------------------------|--------|----------|
| (1)ä | ä ä ä                    |        |          |
| ä    | ä <sup>(3)</sup> ä ä äää | (2)ä   | ä ä 95   |
| ä    | ää <sup>(5)</sup> á ä    | (4)ä ä | ä 96     |
|      | â                        | (6)    | ä äâ 97  |
|      |                          | (7)ä   | ä ä ä 98 |

|   |        |          |        |       |
|---|--------|----------|--------|-------|
| : | 59 :   | :        | 609    | ä =   |
|   |        | .265 :   | 1      | 172:  |
|   |        | ( :      | )      | » :   |
|   |        | 57:      |        | «     |
|   | .395 : | 1        |        | :     |
| 1 | :      | .        |        | :     |
|   |        |          |        | .152: |
|   | .40 :  | 1        | :      | (2)   |
|   |        |          |        | (3)   |
|   |        | :        |        |       |
| : | .      | 463      |        |       |
|   | .119 : | :        | .357:  | (4)   |
|   | .40 :  | 1        | :      | :     |
|   |        |          | .24 :  | :     |
|   |        |          | .107 : | (5)   |
| : | 40 :   | 1        | :      | (6)   |
|   | .12:   | 1406 (2) |        | .     |
|   |        |          | ä :    | :     |
|   |        |          |        | (7)   |

|     |   |                  |   |    |   |     |   |       |    |     |     |
|-----|---|------------------|---|----|---|-----|---|-------|----|-----|-----|
| (2) | ä | ä <sup>(1)</sup> | ä | ä  |   |     |   |       |    |     |     |
|     |   | ä                | ä | ää | ä | â   | ä | åä    | å  | 99  |     |
|     |   | ä                | ä |    |   | (3) | ä | ä     | å  | 100 |     |
| (4) | â |                  |   | ä  |   |     | â | ä     | å  | â   | 101 |
|     |   |                  |   |    |   | (6) | ä | (5) ä | ää | 102 |     |

---

(1)

: - -

.120: . 437

.120 : :

» :

:

.

.«

( ) » :

.349 : :

.40 : 1 .«

2 : (3)

.462 : .76 :

.321: 1 : (4)

.596 : (5)

: .165 : : . 741

.218 : (6)

. 716

.233 : : 352 : :

|     |    |                  |    |   |     |          |
|-----|----|------------------|----|---|-----|----------|
| (2) | ã  | ä <sup>(1)</sup> | ä  | ã |     |          |
| (4) | ä  |                  |    |   | (3) | ä äâ 103 |
|     | â  | ä                | ää | ä | ä   | ä 104    |
| (5) | [ä | ]                | á  | ä | ä   | ä ä 105  |
| (6) | ä  | ä                | ää | ä | ä   | 106      |

. ♣ 386

\_\_\_\_\_ (1)  
:

:

:

ä

.45 38 : 1409

: .

» : (2)

1402

. : .«

.4 : 1 (3)

: .«

» :

.«

- - »

.41 : 1 . : 4 : 1 : (4)

. :

.288 : 4 :

1 : . : . : ( ) (5)

.160 :

« » : (6)

» :

.«

.69 : . :

|     |          |     |             |   |     |
|-----|----------|-----|-------------|---|-----|
|     | ä ã      | â   | (1)         | ä | 107 |
| (2) | ä ä ä    |     | ä ä         |   | 108 |
| (3) | ä ä ä ä  | ä   | ä ää        |   | 109 |
| (6) | ä ä ää   | ä   | (5) (4) ä ä |   | 110 |
|     | ä ä äâ á | ä ä | ä ä ä ä ä   |   | 111 |
| (7) | « ä ää   | ä   | ä           | » | 112 |

---

(1)

: :

» :

«

186 : . : . 544

.140 : :

.313 : 4 : : (2)

.▲ 1220 (3)

.591: : . (4)

. 1210

.59 : : (5)

1108

: 181 : : . 1107

.538 521 :

.52 : ( ) : (6)

(7)

: :

: :

.210 : 1 . : .

|   |      |   |                        |        |
|---|------|---|------------------------|--------|
| ä | â    | ä | ä ä                    | ä 113  |
| ä | ä    | ä | ä ä                    | 114    |
| â | ää ä | ä | ä ä <sup>(1)</sup> ä ä | 115    |
| ä | ä    | ä | <sup>(2)</sup> ä ä     | ää 116 |

(3)

|                  |       |      |       |           |
|------------------|-------|------|-------|-----------|
| <sup>(4)</sup> ä | ää    | â ä  | ä ä   | 117       |
| â                | æ     | ääâ  | ä     | á ä â 118 |
| <sup>(5)</sup> ä | â á æ | ää ä | ä ä ä | 119       |

.119 : (1)

( ) (2)

.511 292 :

: 1240  
 .( ) : ( ) ( ) (3)

: . : (4)

.384 : 2

»: (5)

: { }:

.  
 :

: .

ã

: :

:

.643 642 : 1 1412

: .«

|                        |      |                          |     |
|------------------------|------|--------------------------|-----|
| ä ä ä <sup>(2)</sup> á | ää ä | <sup>(1)</sup> ää ä      | 120 |
| ä ä â â                |      | <sup>(3)</sup> ä ä æ â ä | 121 |
| â á ä                  | æ    | ä ä <sup>(4)</sup> ä     | 122 |
| <sup>(6)</sup> ä ä ä   | ã    | <sup>(5)</sup> ä ä â ä   | 123 |
| ä ää                   | ä â  | ä ä                      | 124 |
| ä ä                    |      | ä : ä â ä                | 125 |

|        |       |       |     |
|--------|-------|-------|-----|
|        | .48 : |       | (1) |
|        |       |       | (2) |
| 136 :  | :     | 386   |     |
|        |       | .96 : | (3) |
| . 255  | :     | :     |     |
| .70 :  | :     | 160 : | (4) |
|        |       | :     | (5) |
| :      |       |       |     |
| .185 : | :     | 628   |     |
|        |       | » :   | (6) |
|        |       | :     |     |
|        | :     | .     |     |
|        | :     | .     |     |
| 47 :   | .     | «     |     |

|        |                  |        |        |                  |   |       |     |
|--------|------------------|--------|--------|------------------|---|-------|-----|
| (3)ä   | ä ã              | (2)ä ã | ä      | ä <sup>(1)</sup> | ä | ä     | 126 |
| (4) æ  | ã                | ääâ    | â      |                  | ß | ä ä ä | 127 |
| (7)ä ä | ä <sup>(6)</sup> | ä ã    | (5)ä ä |                  | ä |       | 128 |
| ä      | ää               | äää    | ä      | ä                | ä | â     | 129 |
| ä      | á                | ä äâ   | â      | (8) ä ä          |   | â ä   | 130 |

» : (1)

: .«

.17: 1424 (1)

» :

.254 : 1 1406 (1)

: .«

.233 : 4

: : (2)

.450 : 1

.24 : 1

: (3)

.421 : 1

.18

ä

:

(4)

(5)

62 61 : . :

. 1244

.505 : . :

:( )

:( ) (6)

(7)

(8)

» :

= :

:

:

ä â 131

: { } =

.« ( ) ( )

. : .« : » :( )

.909 : 1420 (1)

» :( )

: .«

.235 : 6 .

: » :

: -

: -

: -

: : .«ää ä

.909

: « » :

.200 : 1406 (5)

» :

: .« ä

.339 : 2 .

» :

: .«  
.449 : 1 1398 .

=



(1) äää ä

» : =

: .« .47:

» :

} :

ä {  
( : ) » : .«

: .«  
.462 450 : 1 1993

.« » :

ä: » : (1)

{ }  
( ) :

: ( )

.«

9 1379

.389 :

|     |   |   |    |   |                  |   |   |     |
|-----|---|---|----|---|------------------|---|---|-----|
| (1) | ä | á | ää | ä | ä                | ä | ä | 132 |
|     | ä |   |    |   | ä <sup>(2)</sup> | ä | ä | 133 |
| (3) | ä | ä | ää | ä | ä                | ä |   | 134 |
| (7) | ä | ä | ä  | ä | ä                | ä | ä | 135 |

---

:( ) ( ) (1)

. { } : (2)

: .2193 : 231 : 2 :

2046 : 660 : 1

1250 : 2 1408 (3) :

(1) : : 7525:

: 18038 83 : 4 1409

: 3943 24 : 4 1417 (1)

.26403 276 : 6

: ( : ) » :

: : «

.236 : 6 . :

: (3)

: (4)

.313 : 1 . : (5)

» : : (6)

: :

.352 : 1 : : «

: . ( ) : . : ( ) (7)

» :

=

|     |                                    |     |
|-----|------------------------------------|-----|
| (1) | ä ä ää ä ä                         | 136 |
| (2) | äâ ä ää ã ä ä ä â                  | 137 |
|     | ä ä <sup>(3)</sup> ää ä ä ä äâ â â | 138 |
|     | à ã ää ä                           | 139 |
| (4) | â ä ää ã ä ää                      | 140 |
| (5) | â â ää ää â ää ä ä                 | 141 |

---

3 . : .« =

.9 :

} :

.2226 : 268 : 2 :

.02 : ä ä ä :

(1)

{

(2)

(3)

87: : . 914 . 1410

.274: :

» : (4)

: 367 1410 (1)

.275 (5)

. : { } :

.2081: 672 : 1 1372

: 733 : 2

= 1414 : : 3958

(3) ä (2) á ä ã

(1) ä â ã â 142

14956      370 : 7 =

} : 3947      {      } : 3946

.25 24 : 4 {      } : 3948      {

:

.473      179 : 17      1404 (2)

ä      :

.284 : 4      (1)

.      á ä á      :

á      :

.

:

.      .

.103 108 : 3      1423 (1)

: (2)

...» :

.47 :      :      .«

-      -      } :

.{

225 : 4      1424      .      :

.6623 :

:

} :

.76 : 2      :

.273 : 4      :      .{      :      : (3)

|      |                     |     |
|------|---------------------|-----|
| (1)« | ä ä ä ä ä ä ä ä     | 143 |
|      | ã â ä ä ä ä ä ä ä ä | 144 |
| (5)  | ã ä ä ä ä ä ä ä ä ä | 145 |

(1)

( ) 01 ä â ä ä ä ä ä ä :

ä ( )  
.240: 2 :

: : (2)  
.252 : 1

.183 : 3 : (3)  
: .324 : 4

.208 : 3  
3 :

.17: (4)  
: :

.181 : 1  
:

.82 :  
.181 : 1 : (5)

|                          |                             |     |
|--------------------------|-----------------------------|-----|
| ä ä <sup>(1)</sup> ä     | ä à æ ã ä                   | 146 |
| <sup>(2)</sup> « ä ä ä » | ä ä ä ä â ää                | 147 |
| (1)                      |                             |     |
| <sup>(3)</sup> ää ä â    | <sup>(2)</sup> â            | 148 |
| ä â â                    | ä ää ä â â                  | 149 |
| ä ä ä ä â æ              | ä â ä                       | 150 |
| ä â äâ ä ã               | ä ä                         | 151 |
| ä ä ä                    | ä ã <sup>(4)</sup> äæää ä ä | 152 |

---

.111 :

: (1)

: (2)

:

:

( ) ( ) :

.238: 2 . :

:( ) (1)

: (2)

:

â

.99 :

: (3)

: : ä å

.320 319 : 2

:( ) ( ) (4)

|     |      |                    |                         |       |
|-----|------|--------------------|-------------------------|-------|
| (1) | ä    | ä ä ã              | ä                       | 153   |
|     | â    | â äã               | ä ä ä                   | ä 154 |
| (3) | ä    | ä ä â              | ä ää â <sup>(2)</sup> ã | 155   |
|     |      | ä äá ä             | ä ä                     | 156   |
|     | ä    | ä â                | (4)ä ä ä                | ä 157 |
|     | ä ä  | ä ä ää             | ää ä                    | 158   |
| (5) | «    | ä ää ä â ä æ       | ä á â ää ä »            | 159   |
| (6) |      | ä ää               | â ä ää æ ä ä            | 160   |
|     | ä    | â <sup>(7)</sup> â | ä ä æ ä                 | 161   |
| (9) | ää ä | ä                  | (8)ä ä ää ä ä           | 162   |

|    |          |      |        |                  |
|----|----------|------|--------|------------------|
| 2  | :        | :    | :      | (1)              |
|    |          |      | .313:  |                  |
|    |          |      | :( )   | (2)              |
|    | :        | ä    | :      | (3)              |
|    | .921:    | :    | 187: 4 | :                |
|    |          |      | :      | (4)              |
| :  | : ä á    | :    | ‘83 :  |                  |
|    |          |      |        |                  |
|    |          |      | .44 :  |                  |
|    | .( 982 ) | ( ): |        | (5)              |
| .« |          | » :  | :      |                  |
|    | .51 :    | :    |        |                  |
|    |          |      | (: )   | (6)              |
|    |          |      | :( )   | (7)              |
|    |          |      | :( )   | (8)              |
| :  | 4        | :    | :      | ä <sup>(9)</sup> |
|    |          |      | .695 : | 172              |

|                  |                    |      |                  |                  |        |         |
|------------------|--------------------|------|------------------|------------------|--------|---------|
| ä ä              | <sup>(1)</sup> ää  | ä â  | ää               | ä ä              | ä â    | 163     |
| <sup>(2)</sup> « | ä                  | ã á  | ä                | ä ää             | ä â äâ | » 164   |
|                  | <sup>(3)</sup> ä ä | ä ä  | ää ä             | ää               | â      | 165     |
| ä ä              | ä                  | ä ä  | ää               | ä ä              | â      | 166     |
|                  | â                  | ã    | â ã              | ä ä              | æ ä    | ä 167   |
| ä ä              | ä ää               | ää   | ä ä              | æä ä             | â ä    | 168     |
| â ä              | äää                | â â  | â                | <sup>(4)</sup> ä | ä ä ää | 169     |
|                  | ää                 | ää ä | æ ä              | ä                | â      | 170     |
| <sup>(6)</sup>   | ä                  | ää ä | <sup>(5)</sup> â | â                | ä â    | ä 171   |
| <sup>(7)</sup>   | ää                 | ã    | ä ä              | ä                | â      | 172     |
| <sup>(8)</sup> [ | ä ä ä              | ää   | ä                | ä                | ä ä    | â ] 173 |
|                  | ä ä                | ä ä  | ää               | ä ä              |        | 174     |

---

( ) » : . ä áä äá ä : : (1)

.«

» : 44 : :

11: 1379 : .«

.82 : :

» : (2)

.51 : : .«

: »

.« : : :

.12 11 : :

:( ) (3)

:( ) (4)

.146 : : : (5)

.359 : 3 : : ä : (6)

.307: 4 : : ä ä : ( ) (7)

.( ) (8)





|     |                          |     |
|-----|--------------------------|-----|
| (1) | [       ] ää ä       ä ä | 179 |
| (2) | ä       ä ä ä ä ä        | 180 |
| (3) | [ ä ] áâ á ä ä ä         | 181 |
|     | ää ä ã ä ä               | 182 |
|     | âä ä ää       ä ä        | 183 |
|     | ä ä äâ (4) äâ ä          | 184 |
|     | ä ä ä ä ä ä ä            | 185 |
|     | ä ää       ä ä ä ä ä     | 186 |
| (5) | ä ä ä                    | 187 |
| (6) | ä ä á ää ä               | 188 |

---

|   |          |     |
|---|----------|-----|
| . | :( ) ( ) | (1) |
| . | :( )     | (2) |
| . | :( )     | (3) |
| . | :( )     | (4) |
|   |          | (5) |

» :

.55 54 : : «... » :

.222 : . : (6)

|                      |   |   |     |
|----------------------|---|---|-----|
| ä ä ä <sup>(4)</sup> | æ | <sup>(3)</sup> ä ä [ <sup>(2)</sup> ää ] <sup>(1)</sup> ä | 189 |
|                      |   | <sup>(5)</sup> â ä  | 190 |

---

(1)

.250 : 2

: . :

.125 :

}: :

.120 : 5 . : {

:( ) (2)

.112 : 1

: : 1 }

{ : 1

.21 : 8

(2) . :

.8 : 2 1414

: (3)

:( ) (4)

ä ä ä ä : (5)

.22

» :

:

:

:

«

.66 : 1

|     |     |                     |      |     |        |                        |
|-----|-----|---------------------|------|-----|--------|------------------------|
| (1) | ä   | ä ää ä              |      |     |        |                        |
|     | ä   | ä <sup>(2)</sup> ä  | ä ä  | ä   | ää     | 191                    |
|     | ä ä | <sup>(4)</sup> [ä ] | ä äâ | ä   | ä ää ä | <sup>(3)</sup> [ ] 192 |
| (5) |     | ä                   |      | â æ | ä äã   | 193                    |

4 : . : : (1)

ä : : .393 :  
ä

.14 : 1 1408 . :

» :

.254 : : .«

.« » :

.342 : 11 . :

» :

ä ä ä âä ä

ä ä ä ä ä äâ ä ä ä

ä ää ä ä ä ä : .64 63 62 :

: .« : .257

.223 : . : ä

(2)

:( ) (3)

:( ) (4)

:( ) (5)

(5)

=

\_\_\_\_\_

» : =

:  
 . :  
 . :  
 :  
 ä ä :  
 : .« : .54  
 .210 209 : 11 1404

» :  
: د

: : 1  
 .« .  
 .247: 1979 (1) : . :

: \_\_\_\_\_ :  
 » :(201)

: : .«  
 : » :(208) .126 : 1396 (2)  
 ä :  
 . :  
 . :  
 : \_\_\_\_\_  
 : \_\_\_\_\_  
 : \_\_\_\_\_  
 = : \_\_\_\_\_  
 : \_\_\_\_\_

=

.130 129 :

:

.«

:

:

ä

....» :

:

:

:

ä

:

.«

.8 :

.

.

:

.7 :

1351 (1)

:

:

:

.«

» :

.247:

:

:

:

=

. . . : . . . =

.« . . . » :

.02 : . . . :

. . . : . . . :

---

:

( )

.160 : :

! . . . 1 »:

.315 : : . « 1

: . . . :

---

» :

.« . . . » :

= . . . » :

.«

=

» :

»

...

»

:

.«

.11 10: 11

:

:

.165 : 2

.

.

:

:

:

»:

»

»

»

.428 : 11

.

:

.«

» :

ä

ä

} :

{ ä

ä

:

-

-

=



- =  
 .597 : 11 : . -  
 » :(82)  
 ä  
 .« .36 ä  
 .50 : :  
 » :(203)  
 .127 : : .«  
 » :  
 ã  
 !  
 : .«  
 .239 : 4 . .  
 : :  
 » :(210)  
 . : .«.38 ä :  
 .131:  
 » :(83)  
 = .{ ä ä ä } .{ â ä ä }

: .«02 ä ää ä ää . =  
.50 :

... » :

»

.343 : . : .«  
» :

.201: 11 : .«  
» :

.233 : .«  
: \_\_\_\_\_ :  
»

» :

. : .«  
.224 : 1

: » :

.116: 1993 (1) : .«

|      |    |    |      |    |        |
|------|----|----|------|----|--------|
| ä    | ää | ä  | (1)ä | ä  | 194    |
| ä    | ä  | ää | ä    | ä  | 195    |
| (2)ä | ä  | â  | ä    | ä  | 196    |
| «ä   | ä  | ä  | â    | ä  | » 197  |
| (3)« | ä  | ä  | ä    |    | » 198  |
| (5)« |    | »  | (4)  | ää | ää 199 |

---

: . : : (1)

: . : .173 : 3

(2) : 139: .

.288 : . : 89 : 1993

» : (2)

.51: : .«

â

» : (3)

: . «

.197 : 1412 .

.51 : : .« »: (4)

: (5)

( ð ) ( ð ) : ( ð ) (

-(1) ) (1) ) (1) ) : ( ð

.184: 2 . :

|     |                   |     |     |
|-----|-------------------|-----|-----|
|     | ä                 |     | 200 |
|     | ä ää ä ää         |     | 201 |
| (1) | ä ä â ä           | â ä | 202 |
| (2) | [ ä ] ä ä ä ä ä ä |     | 203 |
|     | ä ä               | â   | 204 |
| (3) | âä ä ã ä ä ää     |     | 205 |
| (4) | [ ä ä ä ä ] ä     |     | 206 |
| (5) | ää ä ä            |     | 207 |

---

(1)

» :

.177 : 1 : .«

» :

» :

.100 : 3

:( ) ( ) (2)

»: (3)

.219 218: . : .«

« » : ( ) (4)

:

»: (5)

.232 : .171 : 1 . : .«

ä ä ää ä ä ä ä ä 208

ä 209

(1) ä ä ä ä ää ä ä ää ä ä 210

ä ä á ä (3)ä ä ä (2)ä ä ää ä 211

ä ä á ä ä ä ä ää ä ä 212

(4) ä ää ä ä ää ää ä ä 213

(1)

: »:

.

:

.«

» : .330 : 1 1406 (1)

.«

(1)

.43 : 1406

(2)

.323 : 1

.273 : 2 1416

(3)

: 235 : 1

28 :

.229 :

.359 :

350 : 1

(4)

|     |             |             |     |
|-----|-------------|-------------|-----|
| (1) | â ä ä ä ä   | ǣ æ ä       | 214 |
|     | ä ä ä ä     | ä ä ä ä     | 215 |
| (2) | ä ä ä ä ä ä | ä ã ä       | 216 |
| (3) | æ ää ã      | ã ä ä       | 217 |
|     | ä ä ä æ     | ä ä ä ä ä ä | 218 |
| (5) | (4)[ã ]     | ä ä         | 219 |
|     | (6) ää ää   | ä           | 220 |

(1)

(220-217):

(2)

(3)

ä

1419 (2) : .«

.11: 1

:( ) ( ) (4)

» : (5)

(6)

44 43 : 1 1996 :

.71 50 48 : 1 :

(6)

:

: 330 : : 909

.71 : 3 : 274 :

(1) ää ä ä

|         |          |              |     |
|---------|----------|--------------|-----|
|         | ä        | ää ä â       | 221 |
|         | â ä ä    | (3) (2)ã ä ä | 222 |
| (ää ää) | ä (ä ) ä | ää ä         | 223 |
| (5)«    | ä ä »    | ää (4) [ ] ä | 224 |

---

|  |       |        |   |     |        |   |  |   |         |
|--|-------|--------|---|-----|--------|---|--|---|---------|
|  |       |        |   |     |        |   |  |   | (1)     |
|  |       | .564 : |   | :   | 27:    | 4 |  | : |         |
|  |       |        |   |     |        |   |  | : | (2)     |
|  | :     | 42 :   |   | :   |        |   |  |   |         |
|  |       | .89:   |   | :   |        |   |  |   | 24:     |
|  |       |        |   |     |        |   |  | : | (3)     |
|  | :     |        |   |     |        |   |  |   |         |
|  |       |        |   |     |        |   |  |   | .190    |
|  | .«    |        |   | » : |        |   |  |   |         |
|  |       | 24 :   |   | :   | 42 :   |   |  | : |         |
|  |       |        |   |     | .100:  |   |  | : |         |
|  |       |        |   |     |        |   |  | : | ( ) (4) |
|  |       |        |   |     |        |   |  | : | (5)     |
|  |       |        | ä |     | á ä( ) |   |  |   |         |
|  | .288: | 1 .    | : |     | ( )    |   |  |   | ( )     |

(1) ä ä äâ ä ä ä ä ä 225  
 ä ä æ ä ä ä â ää ä ä ä 226  
 á ä ä ä ää (2)ä ä 227  
 ää ä ä ä â ää ä ä 228  
 ää ä ä ä ä ä ä ä ä ä 229  
 ä ää ä ä ä ä á ä ä ä â 230  
 ä » ää (3) ä 231  
 (4) â «ä ä ä ä ä ä ää ä ä ä 232

---

112 : 1 : (1)  
 : « » : (2)  
 .317 : 2 » :  
 .42 : : : « (3)  
 ä » : . :  
 1392 : : «á ä ä ä ä ä .258 :  
 : » :  
 ( ä ) :  
 ( ä ) ( )  
 ( ä ) ( ä ä ä )  
 ( á )  
 .«  
 .129 : 4 : : (4)  
 : « ä » : : :  
 .83 :



(1) ää ää ä ää ä ää 233

: áä ä ã (1)

.110: 1

.422: (7)

.«

»:

.803:

»:

:

.«

.363: 6

):

:

:

.(

)

(

.117: 1 1403

»:

:

:

:

.«

1 1403

.103:

(1) «ä ä â ä » ä ä ä â 234

ä ä ä ä à ää 235

(2) ä ä â ä â ää 236

ä â ä ä ä (3) ä â æ ä ää 237

ä ä â ä ä ääâ 238

(4) ää ä ä ä ä ä ä 239

(5) « ää ä ää » ä ä ää 240

: ( ) (1)

. ( )

.184 : 1 . :

» : (2)

.92 : 6 . : .« . (3)

.242 : 2 . : :

.603 : 1 . (4)

» : (4)

.«

.42 : : (5)

: (5)

):

ä ä : (

- ä â « ä

.300: 2 . : . -

|     |                   |    |    |   |        |    |   |     |
|-----|-------------------|----|----|---|--------|----|---|-----|
| ä   | ä                 | ä  | ä  | ä | ää     | ä  | â | 241 |
| (2) | ä                 | ä  |    | ä | (1)[ä  | â] | ä | 242 |
|     | ä                 | ä  | ää | ä | ä      | ä  | ä | 243 |
| (3) |                   | â  | ä  |   | ää     | ää | â | 244 |
|     | ää <sup>(5)</sup> | ää | ä  | ä | (4) ää | ä  |   | 245 |
| (6) | ää                | ä  | ää | ä | ä      | ä  | ä | 246 |

---

. : ( ) (1)

» : (2)

...

:

.42 : : .«

» :

=

:

.95 94 : 6 . : 44: : .«

.( ) (1)

.( ) (2)

(3)

:

ä

776 769 . 767

.223 : : 113 112 : :

» : (6)

.114 : : .«

|  |     |
|--|-----|
| ää ä â ä ä ää â ä â  | 247 |
| ââ ä ã ä ä ää  | 248 |
| <sup>(2)</sup> ä <sup>(1)</sup> ää ää ä ä ää ä                       | 249 |
| <sup>(3)</sup> « ää ä » â â  | 250 |
| <sup>(5)</sup> ä« » <sup>(4)</sup> [ää ] ä ä ä ä                     | 251 |
| ä ä ä <sup>(6)</sup> ä ä ä ää ä â                                    | 252 |
| <sup>(9)</sup> [ <sup>(8)</sup> ( ä ä ä ää ä <sup>(7)</sup> ä ää ä â | 253 |
| äää ä ä ä ää â   | 254 |
| ä ää ä   | 255 |

( ) : <sup>(1)</sup>

.450 : : .  
 . 736 ( ) : <sup>(2)</sup>

: .« » :  
 .236 : : 334: .  
 » : <sup>(3)</sup>

.8 : : .«  
 . : ( ) ( ) <sup>(4)</sup>  
<sup>(5)</sup>

. « » :  
 . : ( ) <sup>(6)</sup>  
 . 112 : <sup>(7)</sup>  
<sup>(8)</sup>

.271: : .▲ 958 .  
 : : ( ) <sup>(9)</sup>

(2) [ äã «<sup>(1)</sup> ä â ]

(3) ä ä ä ä ä ä ä 256

(5) ä äää ä ä ä ä <sup>(4)</sup>ä ä 257

(6) ä ä ä ä ä ä ä ä 258

(7) ä ä ä ä ä ä ä ä 259

ä ä ä ä ä ä ä 260

»:

(1)

: «

.227 :

. : ( ) : ( ) (2)

» : ( ) : (3)

5 : « ...

( ) » : 284:

: «

.452 451 : 3

: (4)

( ) : (5)

. 1180

.102 : :

» : (6)

: «

.42 :

ä »:

6 . : «

.96 :

.36 : 1 : : â<sup>(7)</sup>

|        |        |               |               |           |
|--------|--------|---------------|---------------|-----------|
| (1)«   | ä ä    | ä ä ä         | »             | 261       |
| (3)    |        | (2) ä         | ä ä ä ä       | 262       |
| ä      | â      | ä             | ä ä ä ä       | 263       |
|        |        | ä ä           | æää ä         | 264       |
| ä      | ää     | ä ä           | ää (4) á ä äæ | 265       |
| « ä ä  | ã ä    | ä ä           | â             | » 266     |
| (5)«ä  | ä ä    | â             | ä ä ä ä       | » 267     |
|        | (6)    |               |               |           |
| ä ä    | ää     | ää            | ä ä           | ä 268     |
| (8)ä   | ä      | ää            | ä ää (7)      | ä ä ä 269 |
|        |        |               |               | (1)       |
| :      | 4      | :             | :             | (2)       |
|        |        |               | .856 :        | 402       |
|        |        |               | :             | (3)       |
|        |        |               | .252 :        | 332 : 1   |
|        |        |               | :             | (4)       |
| ( )    | ( )    | 3000          | ( )           |           |
| :      |        | . 672         | .             |           |
|        |        | .53 :         | .             |           |
|        |        | (267) (266) : |               | (5)       |
|        |        | :             | .             | (8) (7):  |
|        | .39 :  | 1             | 1402 (1)      |           |
|        |        |               | .( )          | (6)       |
|        | .186 : | 3             | .             | :         |
|        |        |               | :             | (7)       |
|        |        |               | .             | :         |
|        |        | .20 :         | 1             | 65:       |
|        |        |               |               | (8)       |
|        |        |               | » :           |           |
| .107 : | 2      |               | .«            |           |

|                |    |    |                  |                  |    |                |    |   |                |     |     |
|----------------|----|----|------------------|------------------|----|----------------|----|---|----------------|-----|-----|
| ä              | ää | á  | ä                | ä                | ä  | <sup>(1)</sup> | {  | ǎ | }              | 270 |     |
| <sup>(2)</sup> | ä  | ää | ä                | ä                | ää |                |    | ã | â              | 271 |     |
|                |    | ǎ  | ã                | ä                |    |                |    | ä |                | 272 |     |
| <sup>(3)</sup> | ä  | á  | ä                | æ                |    |                | ä  | ä | ä              | 273 |     |
|                | ä  | ä  | <sup>(7)</sup> ä | <sup>(6)</sup> ä | ä  | <sup>(5)</sup> | ää | â | <sup>(4)</sup> | â   | 274 |
|                |    |    |                  |                  |    |                |    | ä |                | 275 |     |

(1)

} :

.{

: 336 : 4 . :

: { } : 7068

.199 : 1991 .

1979 : 160: 2 .

» : (2)

.38 : : 44 : : « (3)

: » : 44 : : .«

.38 : : .«

« » : ( ) (4)

.110 : (5)

.132 . (6)

: 1032

.298 : : : (7)

1041 :

(1)

â    â ä                      â                      (ã ä )    276

(2)                      ä                      ä                      277

(3) «                      äã                      »                      ä                      ( ä ä )    278

(5)ä                      (4)ä                      ä                      279

---

» : (1)

» : « : » : : «

» : .«                      » :

.96 95 : 6 . : .«

» : (2)

1 : .« ä

.126 :

» :

.95 : 6 . : .«

» : (3)

1 . « :

.386 :

: . : : (4)

.633 :

117 : 2 : . : : (5)

.633 : :

» :

.44: : .« ä

» :

.«

.95 : 6



|       |      |    |     |      |       |             |
|-------|------|----|-----|------|-------|-------------|
| (3)ä  | (2)á | â  | ä   | (1)ä | ä ä ä | 280         |
| (5)«  | ä    | á  | äää | â    | (4)ä  | ä ä ä » 281 |
|       | â    | ä  | ää  | ä    | ä ä ä | â 282       |
| (6)«  | ää   | ä  | â   | ää   | ä     | ã » 283     |
| (7)   |      | ää |     |      |       | 284         |
| (8)ää | ä    | ä  |     | ä    | ä     | 285         |

|        |     |        |         |       |
|--------|-----|--------|---------|-------|
| :      | 4   | .      | :       | (1)   |
|        |     |        |         | .192  |
|        |     |        | :       | (2)   |
|        |     | .165 : | 4       | .     |
|        |     |        | :       |       |
|        |     | .      | .       |       |
|        |     | .199 : | 1       | .     |
| .192 : | 4   | .      | :       | (3)   |
| .188 : | 1   | .      | :       |       |
|        |     | .      | :( )    | (4)   |
|        | ä   |        |         | (5)   |
|        | ( ) |        | (ää ä ) |       |
| .153 : | 2   | :      |         | ( ä ) |
|        |     | .      |         | (6)   |
|        |     | .      |         |       |
|        |     |        | » :     | (7)   |
|        |     | .      |         |       |
|        | á   |        |         |       |
| .41 :  | :   | «      |         |       |
|        |     | .      | :( )    | (8)   |

|                      |                     |                    |       |                     |           |
|----------------------|---------------------|--------------------|-------|---------------------|-----------|
| ä                    | ää ä <sup>(1)</sup> | ]                  | ä ä ä | ä ä                 | 286       |
| <sup>(4)</sup> «[ä   | â ] <sup>(3)</sup>  | ä                  | ää ä  | ä <sup>(2)</sup> ää | ä â » 287 |
| <sup>(6)</sup> ä ä ä | <sup>(5)</sup>      | ä                  | ää    | ä ä                 | 288       |
| ä â ä                | ä                   | ä ä ä ä ä          | ä     | â                   | 289       |
| <sup>(7)</sup> ä ä ä | ä                   | ä æä               |       |                     | 290       |
|                      | ä â ää              | <sup>(8)</sup> ( ) | ää    | ä                   | 291       |
| «                    | ää à ä              | ä                  | ä     | ã ä                 | 292       |
|                      |                     |                    | ä     | »                   | 293       |

|        |        |        |      |          |                |
|--------|--------|--------|------|----------|----------------|
|        |        |        |      | :( )     | <sup>(1)</sup> |
|        | ã      |        |      | :        | <sup>(2)</sup> |
|        |        | .132 : | 1    |          |                |
|        |        |        |      | :        | <sup>(3)</sup> |
|        |        | .183 : |      |          |                |
|        |        |        | :( ) | :( )     | <sup>(4)</sup> |
|        | .104 : |        |      |          |                |
|        |        |        |      | :( )     | <sup>(5)</sup> |
| ä      |        |        | » :  |          | <sup>(6)</sup> |
|        |        | .44 :  | :    | .«       |                |
|        |        |        | :    | »        |                |
|        |        | ( )    |      |          |                |
|        |        |        |      |          |                |
|        |        |        |      | .«       |                |
|        |        |        |      |          |                |
|        |        |        |      | .247 246 |                |
| .355 : | :      |        | :    | :        | <sup>(7)</sup> |
|        |        |        |      |          | <sup>(8)</sup> |
| .309:  | :      | . 1072 |      |          |                |

(1) « ää ä  
 (4) ä (3) ä (2) ä ä 294  
 ä ä áää<sup>(5)</sup> « ää á ä ä ää 295  
 ä ä<sup>(6)</sup> « á äää ää ä » ä 296

---

(1)

88:

»:

.275: : 43: : : .«

.18 ä ää ä ä ä : : (2)

: : (3)

» :

.327 : .«

: : » :

: : :

: .«

.157 :

.317 : 3 : (4)

.« » : (5)

) ( ) »: .258: :

.131: 4 .« ( (6)

» :

: .261 : .«

: : »

:

:

:

.«

.136 135 : 6 :

|       |                   |     |
|-------|-------------------|-----|
| (1)   | ä ä ä ä           | 297 |
| (3) « | ä â ää ä ä (2) ää | 298 |
| (4)   | ä ä ä ä ä ä       | 299 |
|       | ä ä ä ä ä ä ä     | 300 |
| (5)   | ä ä ä ä ä ää ä    | 301 |
|       | (7) ä ä (6) ä â   | 302 |

---

» : (1)

.44: : .«

88: : :

.282 281 : : 325: 2 :

.315 : 3 : . ä : (2)

: » : (3)

: .«

( ) » : .177 :

( ) ( )

.391: 4 : .«

: . « » : : (4)

.351: 1 : 88 : . :

» : (5)

.«

.326 : 2 :

.113 : (6)

(7)

.255 : : 223: : . 854

ää ää (1) ä  
 (4) ää ä ää (3) ä ää (2)ä ä ä 303  
 (5)« ä » ää ä ä ä 304  
 ä 305

---

.109 : (1)  
 : (2)  
 .98: : .  
 .157 : (3)  
 : ( ) : ( ) (4)  
 : (5)  
 ä ä  
 - : ää  
 . :  
 . :  
 . :  
 . :  
 : .  
 ( ) ( ä )  
 ä ä  
 :  
 ä á ä ä ä  
 .528 : 1 :

(1) « æ ä ä »

(2) « á » ã ä 306

ä ä ä ä ä ä 307

(3) ä ä â ä ä ä ä ã 308

ä ä: (1)

:

ä ä ä ä ä

:

:

— ä 44 ä ä ä

2

: . : : . —

.167 :

(2)

á ä æä á

:

( ) (ää ä)

( ä ä): ( ) ( )

:

ä ä ä ä ä

.( ä ): ( ) ( ) ( )

:

( ) .56 ä ä ä

2

: . ( ä ) (ää )

.51 50 :

â

: .

.282 : ã

ä ä ä ä ä ä : (3)

.05

=

: » :

|     |          |     |                  |     |
|-----|----------|-----|------------------|-----|
|     | ä ä      | ä   |                  | 309 |
| (2) | ä ä      |     | (1)ä ä ä ä ã     | 310 |
| (3) | ä        | â ä | ä ä              | 311 |
|     | äà ä     | â   | ä                | 312 |
|     | (6) ää ä |     | ä (5) ää (4) ä ä | 313 |
|     | äâ ä ä   |     | á á              | 314 |

---

=

.44: : .« ( ) - - (1)

( ) ( ) ( ) ( ) ( ) :

( ) (2)

.101 : 4 : (3)

} :

.{

.7454 : 429 : 4 : (4)

» :

.22 : 1 : .« » : (5)

.22 : 1 : (6)

$$\begin{array}{r} \vdots \\ \hline - \\ -1 \end{array}$$

-2

-3

$$\begin{array}{r} \vdots \\ (28) \quad : \quad - \\ (14) \quad : \quad - \\ (05) : \quad - \\ -4 \end{array}$$

-5

-6

-7

-8



-9

---

 -

:

-1

|          |         |         |         |
|----------|---------|---------|---------|
|          | ( 238 ) |         |         |
| ( 378 )  |         | ( 260 ) | ( 255 ) |
| ( 422 )  |         |         | ( 399 ) |
|          | ( 610 ) |         | ( 543 ) |
| ( 1040 ) | ( 829 ) |         | ( 646 ) |

-2

-3

-4

.

á

.

•  
•

. -01

. -02

. -03

. -04

. -05

. -06

. -07

. -08

. -09

. -10

|     |     |   |   |   |    |   |   |   |      |   |      |
|-----|-----|---|---|---|----|---|---|---|------|---|------|
| 127 | 18  |   | ä |   |    |   |   |   | - 01 |   |      |
| 04  | 103 |   |   |   | ä  | ä | ä | ä | ä    | â | - 02 |
| 28  | 18  |   |   | ä |    |   | ã | ä |      |   | - 03 |
| 52  | 41  | ä | ä | ä |    |   |   |   |      |   | - 04 |
| 03  | 52  |   |   |   | á  | ä | á | ä | ä    | ä | - 05 |
| 190 | 22  |   |   |   | á  |   | â |   | ä    |   | - 06 |
| 57  | 09  |   |   |   | ää |   | ä | â | ä    | ä | - 07 |
| 21  | 37  |   |   |   |    | ä |   |   |      |   | - 08 |
| 25  | 58  |   |   |   |    |   |   |   |      |   | - 09 |
| 137 | 02  |   |   |   |    | ä |   | ä |      | ä | - 10 |
| 308 | 05  |   |   |   |    |   | ä | ä | ä    | ä | - 11 |
| 57  | 15  |   |   |   |    | ä |   | ä |      |   | - 12 |
| 26  | 14  |   |   |   |    |   |   | ä | ä    | ä | - 13 |
| 27  | 14  |   |   |   |    |   | ä |   |      |   | - 14 |

133.....{ ä } - 01

141.....{ ä ä ä } - 02

270.....{ á } - 03

•

|     |      |
|-----|------|
| 8   | - 01 |
| 9   | - 02 |
| 22  | - 03 |
| 24  | - 04 |
| 143 | - 05 |
| 147 | - 06 |
| 199 | - 07 |
| 224 | - 08 |
| 234 | - 09 |
| 240 | - 10 |
| 281 | - 11 |
| 304 | - 12 |
| 305 | - 13 |
| 306 | - 14 |

•

|          |      |
|----------|------|
| 10.....  | - 01 |
| 11.....  | - 02 |
| 37.....  | - 03 |
| 39.....  | - 04 |
| 41.....  | - 05 |
| 42.....  | - 06 |
| 43.....  | - 07 |
| 44.....  | - 08 |
| 159..... | - 09 |
| 164..... | - 10 |
| 197..... | - 11 |
| 198..... | - 12 |
| 266..... | - 13 |
| 267..... | - 14 |
| 287..... | - 15 |
| 292..... | - 16 |
| 293..... | - 17 |

|             |      |
|-------------|------|
| 202.....    | - 01 |
| 231.....    | - 02 |
| 251.....( ) | - 03 |
| 251.....( ) | - 04 |
| 255.....( ) | - 05 |
| 277.....    | - 06 |
| 278.....    | - 07 |
| 295.....( ) | - 08 |
| 296.....( ) | - 09 |
| 298.....( ) | - 10 |



(1)

|                  |   |     |      |
|------------------|---|-----|------|
|                  | - | -   |      |
| 73.....          |   |     | - 01 |
| 210.....         |   | ( ) | -02  |
| 68.....          |   |     | - 03 |
|                  | - | -   |      |
| 274 65.....      |   |     | - 04 |
| 98.....          |   |     | - 05 |
| 131.....         |   |     | - 06 |
| 50.....          |   |     | - 07 |
| 83 79.....       |   |     | - 08 |
| 57.....          |   |     | - 09 |
|                  | - | -   |      |
| 302 83 79.....   |   |     | - 10 |
| 90 67.....       |   |     | - 11 |
|                  | - | -   |      |
| 102.....         |   |     | - 12 |
|                  | - | -   |      |
| 116 115 109..... |   |     | - 13 |
| 131.....         |   |     | - 14 |
| 58.....          |   |     | - 15 |
| 61.....          |   |     | - 16 |

|                   |   |   |      |
|-------------------|---|---|------|
|                   | - | - |      |
| 91 76.....        |   |   | - 17 |
| 110.....          |   |   | - 18 |
| 245 231 63.....   |   |   | - 19 |
|                   | - | - |      |
| 96 56.....        |   |   | - 20 |
| 91 67.....        |   |   | - 21 |
|                   | - | - |      |
| 253 83 80 75..... |   |   | - 22 |
| 64.....           |   |   | - 23 |
| 123.....          |   |   | - 24 |
| 118 102.....      |   |   | - 25 |
|                   | - | - |      |
| 303 92.....       |   |   | - 26 |
| 121.....          |   |   | - 27 |
| 59.....           |   |   | - 28 |
| 64.....           |   |   | - 29 |
|                   | - | - |      |
| 278.....          |   |   | - 30 |
| 75.....           |   |   | - 31 |
|                   | - | - |      |
| 66.....           |   |   | - 32 |
| 68.....           |   |   | - 33 |

|                  |   |   |      |
|------------------|---|---|------|
|                  | - | - |      |
| 94.....          |   |   | - 34 |
| 91.....          |   |   | - 35 |
| 128.....         |   |   | - 36 |
| 95.....          |   |   | - 37 |
| 302 62.....      |   |   | - 38 |
| 302.....         |   |   | - 39 |
| 38.....          |   |   | - 40 |
| 102.....         |   |   | - 41 |
| 107.....         |   |   | - 42 |
|                  | - | - |      |
| 65.....          |   |   | - 43 |
|                  | - | - |      |
| 36.....          |   |   | - 44 |
| 52.....          |   |   | - 45 |
|                  | - | - |      |
| 223.....         |   |   | - 46 |
| 116 115 109..... |   |   | - 47 |
| 51.....          |   |   | - 48 |
|                  | - | - |      |
| 53.....          |   |   | - 49 |
| 274 253 175..... |   |   | - 50 |
| 274 253 175..... |   |   | - 51 |

|                        |   |   |      |
|------------------------|---|---|------|
|                        | - | - |      |
| 56.....                |   |   | - 52 |
| 265.....               |   |   | - 53 |
| 276 223 133 55.....( ) |   |   | - 54 |
| 64.....                |   |   | - 55 |
| 62.....                |   |   | - 56 |
| 220.....               |   |   | - 57 |
| 40.....                |   |   | - 58 |
| 60.....                |   |   | - 59 |
| 303.....               |   |   | - 60 |
|                        | - | - |      |
| 84.....                |   |   | - 61 |
| 76.....                |   |   | - 62 |
|                        | - | - |      |
| 82 79 7.....           |   |   | - 63 |
|                        | - | - |      |
| 88.....                |   |   | - 64 |
| 138.....               |   |   | - 65 |
| 91.....                |   |   | - 66 |
|                        | - | - |      |
| 55.....                |   |   | - 67 |

•

|          |   |   |      |
|----------|---|---|------|
|          | - | - |      |
| 84.....  |   |   | - 01 |
| 122..... |   |   | - 02 |
| 121..... |   |   | - 03 |
| 123..... |   |   | - 04 |
| 40.....  |   |   | - 05 |
|          | - | - |      |
| 52.....  |   |   | - 06 |
| 53.....  |   |   | - 07 |
| 119..... |   |   | - 08 |
| 303..... |   |   | - 09 |
| 50.....  |   |   | - 10 |
|          | - | - |      |
| 55.....  |   |   | - 11 |
| 90.....  |   |   | - 12 |
|          | - | - |      |
| 9.....   |   |   | - 13 |
| 58.....  |   |   | - 14 |
| 66.....  |   |   | - 15 |
| 69.....  |   |   | - 16 |
|          | - | - |      |
| 75.....  |   |   | - 17 |
| 70.....  |   |   | - 18 |

|          |   |   |      |
|----------|---|---|------|
|          | - | - |      |
| 98.....  |   |   | - 19 |
|          | - | - |      |
| 51.....  |   |   | - 20 |
|          | - | - |      |
| 58.....  |   |   | - 21 |
|          | - | - |      |
| 76.....  |   |   | - 22 |
| 253..... |   |   | - 23 |
| 51.....  |   |   | - 24 |
| 253..... |   |   | - 25 |
| 64.....  |   |   | - 26 |
| 303..... |   |   | - 27 |
| 75.....  |   |   | - 28 |
| 60.....  |   |   | - 29 |
| 60.....  |   |   | - 30 |
| 57.....  |   |   | - 31 |
| 61.....  |   |   | - 32 |
| 61.....  |   |   | - 33 |
| 59.....  |   |   | - 34 |
| 107..... |   |   | - 35 |
|          | - | - |      |
| 109..... |   |   | - 36 |
| 110..... |   |   | - 37 |
| 102..... |   |   | - 38 |
| 110..... |   |   | - 39 |
| 68.....  |   |   | - 40 |

|             |      |
|-------------|------|
| 94.....     | - 41 |
| 68.....     | - 42 |
| - -         |      |
| 138.....    | - 43 |
| 38.....     | - 44 |
| - -         |      |
| 257.....    | - 45 |
| 120.....    | - 46 |
| - -         |      |
| 265.....    | - 47 |
| - -         |      |
| 62.....     | - 48 |
| 257 63..... | - 49 |
| 50.....     | - 50 |
| 220.....    | - 51 |
| 38.....     | - 52 |
| 138.....    | - 53 |
| 175.....    | - 54 |
| 58.....     | - 55 |
| - -         |      |
| 64.....     | - 56 |
| 98.....     | - 57 |
| 69.....     | - 58 |
| 88.....     | - 59 |
| 17.....     | - 60 |

|   |      |
|---|------|
| 96.....                                     | - 01 |
| 34 168 233,230,213,205,169.....             | - 02 |
| 222.....                                    | - 03 |
| 222.....                                    | - 04 |
| 205,95,33.....                              | - 05 |
| 166,161.....                                | - 06 |
| 123.....                                    | - 07 |
| 54.....                                     | - 08 |
| 282.....                                    | - 09 |
| 286.....                                    | - 10 |
| 206.....                                    | - 11 |
| 259,241,226,214.....                        | - 12 |
| 137.....                                    | - 13 |
| 133.....                                    | - 14 |
| 281,279,278,277,254,235,230,221,206,90..... | - 15 |
| 282.....                                    | - 16 |
| 133.....                                    | - 17 |
| 313.....                                    | - 18 |
| 239.....                                    | - 19 |
| 288.....                                    | - 20 |
| 33.....                                     | - 21 |
| 125.....                                    | - 22 |
| 269.....                                    | - 23 |
| 105,85.....                                 | - 24 |



|                                    |      |
|------------------------------------|------|
| 292.....                           | - 25 |
| 94,72.....                         | - 26 |
| 231.....                           | -27  |
| 192,191.....                       | - 28 |
| 190.....                           | - 29 |
| - -                                |      |
| 136,153.....                       | - 30 |
| 135.....                           | - 31 |
| 19.....( )                         | - 32 |
| 7.....                             | - 33 |
| 43.....                            | - 34 |
| - -                                |      |
| 103.....                           | - 35 |
| 151.....                           | - 36 |
| 174.....                           | - 37 |
| 237,238.....                       | - 38 |
| 126,181,228.....                   | - 39 |
| 212,211,199,195,49,48,47,31,6..... | - 40 |
| 48.....                            | - 41 |
| 111.....                           | - 42 |
| 164,163.....                       | - 43 |
| 159,157.....                       | -44  |
| 169.....                           | - 45 |
| 254,94,90,71.....                  | - 46 |
| 188.....                           | - 47 |
| 255.....                           | - 48 |
| 181.....                           | - 49 |

|                      |      |
|----------------------|------|
| 140.....             | – 50 |
| 173.....             | – 51 |
| 109.....             | – 52 |
| 81 184.....          | – 53 |
| 228.....             | – 54 |
| 269.....             | – 55 |
| 229.....             | – 56 |
| 111.....             | – 57 |
| 181.....             | – 58 |
| 262.....             | – 59 |
| 172.....             | – 60 |
| 263.....             | – 61 |
| – –                  |      |
| 216,212.....         | – 62 |
| 116.....             | – 63 |
| – –                  |      |
| 296.....             | – 64 |
| 295.....             | – 65 |
| 296,295.....         | – 66 |
| 217.....             | – 67 |
| 97,20.....           | – 68 |
| – –                  |      |
| 273,67,66,65,58..... | – 69 |
| 193.....             | – 70 |
| 145.....             | – 71 |
| 145.....             | – 72 |
| 164.....             | – 73 |

|  |      |
|--|------|
| 35.....                                  | - 74 |
| 307.....                                 | - 75 |
| 289,248,247,245,204,127,90,89,39,37..... | - 76 |
| 292,290 304,300,279,296,293              |      |
|  | - -  |
| 311.....                                 | - 77 |
| 182.....                                 | - 78 |
| 299,297.....                             | - 79 |
| 98.....                                  | - 80 |
|  | - -  |
| 217.....                                 | - 81 |
|  | - -  |
| 145.....                                 | - 82 |
| 166.....                                 | - 83 |
|  | - -  |
| 89,46,35,20.....                         | - 84 |
|  | - -  |
| 122.....                                 | - 85 |
|  | - -  |
| 162 .....                                | - 86 |
| 13.....                                  | - 87 |
| 298.....                                 | - 88 |
| 166,126.....                             | - 89 |

|                                   |   |   |       |
|-----------------------------------|---|---|-------|
|                                   | - | - |       |
| 37.....                           |   |   | - 90  |
| 169,158,59.....                   |   |   | - 91  |
| 297,287,240,203,124.....          |   |   | - 92  |
| 95.....                           |   |   | - 93  |
|                                   | - | - |       |
| 313,276.....                      |   |   | - 94  |
| 13.....                           |   |   | - 95  |
|                                   | - | - |       |
| 177,129.....                      |   |   | - 100 |
| 176.....                          |   |   | - 101 |
| 257,176.....                      |   |   | - 102 |
| 256.....                          |   |   | - 103 |
|                                   | - | - |       |
| 188.....                          |   |   | - 104 |
| 115,110,109,102,100,94,68,16..... |   |   | - 105 |
| 141,140,139,134,125.....          |   |   | - 106 |
| 129.....                          |   |   | - 107 |
|                                   | - | - |       |
| 191,125.....                      |   |   | - 108 |
| 135.....                          |   |   | - 109 |
| 177,151.....                      |   |   | - 110 |
|                                   | - | - |       |
| 207,206,204,203,197,5.....        |   |   | - 111 |
| 231.....                          |   |   | - 112 |
| 209.....                          |   |   | - 113 |
| 207,201,200,197,196,194,5.....    |   |   | - 114 |

|                              |       |
|------------------------------|-------|
| 208.....                     | - 115 |
| 13.....                      | - 116 |
| 160.....                     | - 117 |
| 216.....                     | - 118 |
| 270.....                     | - 119 |
| 270.....                     | - 120 |
| 217.....                     | - 121 |
| 306,183,182.....             | - 122 |
| 182.....                     | - 123 |
|                              | - -   |
| 255.....                     | - 124 |
| 189.....                     | - 125 |
|                              | - -   |
| 93,82,30,29,16 .....         | - 126 |
| 293,292,289,273,245,243,124  |       |
| 261.....                     | - 127 |
| 251,243,215.....             | - 128 |
| 138.....                     | - 129 |
| 225.....                     | - 130 |
| 114.....                     | - 131 |
| 262.....                     | - 132 |
|                              | - -   |
| 303,226,215,205,166,105..... | - 133 |
| 189.....                     | - 134 |
| 126.....                     | - 135 |
| 288,282,30.....              | - 136 |
| 142.....                     | - 137 |

|  |       |
|--|-------|
| 247.....                                       | - 138 |
| 167,157,132,88,16 264,183,179,174,173,168..... | - 139 |
| 229,144,34,32.....                             | - 140 |
| 159.....                                       | - 141 |
| 241,239,238,237,236.....                       | - 142 |
| - -  |       |
| 287.....                                       | - 143 |
| 190.....                                       | - 144 |
| 135.....                                       | - 145 |
| 208.....                                       | - 146 |
| - -  |       |
| 261.....                                       | - 147 |
| - -  |       |
| 256,250,244,46,12.....                         | - 148 |
| 187,187.....                                   | - 149 |
| 46.....  | - 150 |
| 299,232,195.....                               | - 151 |
| 230,223,222.....                               | - 152 |
| 223,222.....                                   | - 153 |
| 276.....                                       | - 154 |
| 251,227,62.....                                | - 155 |
| 227,225.....                                   | - 156 |
| 194.....                                       | - 157 |
| 300,33.....                                    | - 158 |
| 47.....  | - 159 |
| 207.....                                       | - 160 |
| 177,97,47,20.....                              | - 161 |

|                                      |       |
|--------------------------------------|-------|
| 219,218,212,211.....                 | - 162 |
| 99,45.....                           | - 163 |
| 48.....                              | - 164 |
| 268,207.....                         | - 165 |
| 219,218,212,211.....                 | - 166 |
| 267.....                             | - 167 |
| 226,80.....                          | - 168 |
| 198,165.....                         | -169  |
| 300,232,195,35.....                  | - 170 |
| 189.....                             | - 171 |
| 210.....                             | - 172 |
| 13.....                              | - 173 |
| - -                                  |       |
| 235,88,69.....                       | -174  |
| 210.....                             | - 175 |
| 266,261,260.....                     | -176  |
| 209.....                             | - 177 |
| 105 179,156,155,154,153,152,148..... | - 178 |
| 145.....                             | - 179 |
| - -                                  |       |
| 312.....                             | - 180 |
| 191.....                             | - 181 |
| 155.....                             | - 182 |
| - -                                  |       |
| 142.....                             | - 183 |

|     |          |   |         |
|-----|----------|---|---------|
|     | (1)      | : |         |
|     |          | : |         |
|     |          | : | -01     |
| (5) |          | : | -02     |
|     | 1411     | : |         |
|     |          | : |         |
|     |          | : | ( ) -03 |
|     |          | : | -04     |
|     | 1410 (3) | : |         |
|     |          | : | -05     |
|     | 1408 (3) | : |         |
|     |          | : | -06     |
|     |          | : |         |
|     | 1424     | : |         |
|     |          | : | -07     |
|     | 1414     | : |         |
|     |          | : | -08     |
|     |          | : |         |
|     |          | : | -09     |
|     | 1405 (3) | : |         |
|     |          | : | -10     |
|     | 1420 (3) | : |         |
|     |          | : | -11     |
|     | 1416 (1) | : |         |



|            |        |     |
|------------|--------|-----|
|            | :      | -12 |
| . 1991     |        |     |
| .          | :      | -13 |
| . 1417 (1) |        |     |
| :          | :      | -14 |
| . 1409 (1) |        |     |
|            | :      | -15 |
| . 1401 (2) |        |     |
|            | :      | -16 |
| (2)        |        |     |
|            | . 1415 |     |
|            | :      | -17 |
| . 1415 (2) |        |     |
|            | :      | -18 |
| . .        |        |     |
| :          | :      | -19 |
| . 1404 (2) |        |     |
| .          | :      | -20 |
|            | . 1379 |     |
| .          | :      | -21 |
| . 1414 (1) |        |     |
|            | :      | -22 |
| . .        | .      |     |
| .          | :      | -23 |
| . 1420 (1) |        |     |
| .          | :      | -24 |
|            | :      |     |
| :          | :      | -25 |

|        |            |     |
|--------|------------|-----|
|        | :          | -26 |
| (1)    | .          |     |
|        | 1416       |     |
|        | . : .      | -27 |
|        | . 1411 (1) |     |
|        | :          | -28 |
|        | .          |     |
|        | .          |     |
|        | .          |     |
|        | :          | -29 |
|        | .          |     |
|        | . 1418 (2) |     |
|        | :          | -30 |
|        | .          |     |
|        | . 1996     |     |
|        | :          | -31 |
|        | .          |     |
|        | :          | -32 |
|        | .          |     |
|        | . 1404     |     |
|        | :          | -33 |
|        | .          |     |
|        | . 1404     |     |
| (2)    | :          | -34 |
|        | .          |     |
|        | . 1993     |     |
| :      | .          | -35 |
|        | .          |     |
|        | . 1981 (1) |     |
| 1416   | :          | -36 |
| .      | :          | -37 |
|        | :          | -38 |
| .      | .          |     |
| . 1990 |            |     |

|            |   |     |
|------------|---|-----|
| 1          | : | -39 |
| 1403       | : | -40 |
| 1418 (1)   | : | -41 |
| 1409 (1)   | : | -42 |
| . 1345     | : | -43 |
| : .        | : | -44 |
| . (7)      | : | -45 |
| .          | : | -46 |
| . 1419 (2) | : | -47 |
| :          | : | -48 |
| . 1990 (1) | : | -49 |
| . 1424 (1) | : | -50 |
| (2)        | : | -51 |
| . 1416     | : | -52 |
| .          | : | -51 |
| 1973       | : | -52 |
| :          | : | -51 |
| . 1406 (1) | : | -52 |
| 1988       | : | -52 |

|            |   |          |
|------------|---|----------|
|            | : | -53      |
|            | . |          |
|            | : | -54      |
|            | : | -55      |
|            | : | -56      |
| . 1411 (2) | : | -57      |
|            | . | 1403     |
|            | : | -58      |
|            | . | 1412     |
|            | : | -59      |
| . 1421 (1) | : |          |
|            | . | :        |
| (2)        | : | -60      |
|            | . | 1406     |
|            | : | -61      |
|            | . | 1403 (1) |
|            | : | -62      |
|            | . |          |
|            | : | -63      |
|            | . | 1409     |
|            | : | -64      |
|            | . |          |
|            | : | -65      |
|            | . | 1993     |
| (1)        | : | -66      |
|            | . | 1423     |
|            | . | 1392     |
|            | : | -67      |

|            |   |     |
|------------|---|-----|
|            | : | -68 |
|            | . |     |
|            | : | -69 |
| . 1399 (3) |   |     |
| . 1402     | : | -70 |
|            | : | -71 |
| 1994 (1)   |   |     |
|            | : | -72 |
|            | . |     |
|            | : | -73 |
| . 1994 (1) |   |     |
|            | : | -74 |
|            | . |     |
|            | : | -75 |
| . 1423 (1) |   |     |
|            | : | -76 |
|            | . |     |
|            | : | -77 |
|            | : | -78 |
|            | . |     |
|            | : | -79 |
|            | . |     |
|            | : | -80 |
|            | . |     |
|            | : | -81 |
|            | . |     |
|            | : | -82 |
|            | : | -83 |
|            | . |     |

|            |   |     |
|------------|---|-----|
| .          | : | -84 |
|            | : | -85 |
| (1)        |   |     |
| . 1410     | : | -86 |
|            | : |     |
| . 1401     | : |     |
| .          | : | -87 |
|            | : | -88 |
| . 1401 (1) | : | -89 |
| 1383       | : |     |
| ( )        | : | -90 |
| .          | : |     |
| (4)        | : | -91 |
| 1980       | : | -92 |
| .          | : |     |
| . 1991     | : |     |
| 1982       | : | -93 |
| 1960       | : | -94 |
|            | : | -95 |
| . 1987     | : |     |
| 1986 (7)   | : | -96 |
|            | : | -97 |
| .          | : |     |
|            | : | -98 |

---

|            |   |      |
|------------|---|------|
| .          | : | -99  |
| .          | : | -100 |
| .          | : | -101 |
| . 1397     | : | -102 |
| . 1990 (1) | : | -103 |
| .          | : | -104 |
| .          | : | -105 |
| . (31)     | : | -106 |
| .          | : | -107 |
| ( ) :      | : | -108 |
| .          | : | -109 |
| . 1402 (1) | : | -110 |
| (1)        | : | -111 |
| 1993       | : | -112 |
| 1404       | : | -113 |
| (2)        | : | -114 |
| . 1396     | : | -115 |

|            |   |      |
|------------|---|------|
|            | : | -113 |
| .          | : | -114 |
| 1351 (1)   | : | -115 |
| : .        | : | -116 |
| . .        | : | -117 |
| . 1973 (1) | : | -118 |
| . 1973 (1) | : | -119 |
| . 1408     | : | -120 |
|            | : | -121 |
| 1420 (1)   | : | -122 |
| : .        | : | -123 |
| (3)        | : | -124 |
| . 1403     | : | -125 |
| . 1416     | : | -126 |
| . 1414 (2) | : | -127 |
| .          | : | -128 |
| . 1420     | : | -129 |



|  |   |      |
|--|---|------|
|  | : | -127 |
| . 1406 (5)   | : | -128 |
| .  | : | -129 |
| .  | : | -130 |
| . 1406 (1)   | : | -131 |
| . 1379   | : | -132 |
| . .  | : | -133 |
| . 1403   | : | -134 |
| . 1324   | : | -135 |
| . 1324   | : | -136 |
| <a href="http://www.almahdranet.mr">http: //www.almahdranet.mr</a> : |   |      |

.

|    |       |   |
|----|-------|---|
|    | ..... |   |
|    | ..... |   |
| 1  | ..... |   |
| 2  | ..... |   |
| 3  | ..... |   |
| 5  | ..... |   |
| 6  | ..... |   |
| 7  | ..... |   |
| 9  | ..... |   |
| 10 | ..... |   |
| 11 | ..... | : |
| 12 | ..... | : |
| 13 | ....  | : |
| 14 | ..... | : |
| 17 | ..... | : |
| 22 | ..... | : |
| 27 | ..... | : |
| 28 | ..... | : |
| 35 | ..... | : |
| 40 | ..... | : |
| 42 | ..... | : |
| 43 | ..... | : |
| 44 | ..... | : |
| 45 | ..... | : |
| 46 | ..... | : |
| 48 | ..... | : |
| 49 | ..... | : |

|     |          |   |     |
|-----|----------|---|-----|
| 52  | .....    | : |     |
| 54  | .....    | : |     |
| 56  | .....    | : |     |
| 57  | .....    | : |     |
| 60  | .....    | : |     |
| 61  | .....    | : |     |
| 71  | .....( ) | : |     |
| 77  | .....    |   |     |
| 82  | .....    |   |     |
| 90  | .....    | : |     |
| 98  | .....    |   |     |
| 107 | .....    |   |     |
| 110 | .....    |   |     |
| 120 | .....    |   |     |
| 122 | .....    |   |     |
| 124 | .....    |   |     |
| 131 | .....    |   |     |
| 141 | .....    |   |     |
| 144 | .....    |   |     |
| 145 | .....    |   | -1  |
| 146 | .....    |   | -2  |
| 147 | .....    |   | -3  |
| 148 | .....    |   | -4  |
| 149 | .....    |   | -5  |
| 150 | .....    |   | -6  |
| 154 | .....    |   | -7  |
| 157 | .....    |   | -8  |
| 165 | .....    |   | -9  |
| 175 |          |   | -10 |

(1828/1245 : )

(314)

:

|        |        |         |     |
|--------|--------|---------|-----|
|        |        | .( 28 ) | -1  |
|        | .( 16) |         | -2  |
| .( 27) |        | :       | -3  |
| .( 45) |        | :       | -4  |
| .( 31) |        | :       | -5  |
| .( 28) |        | :       | -6  |
| .( 18) |        | :       | -7  |
|        | .( 17) | :       | -8  |
| .( 10) |        | :       | -9  |
|        | .( 47) | :       | -10 |
| .( 47) |        | :       | -11 |

:

-

-

-

.

:

.

:

:

:

:

:

:

:

.

-

-

:

:

:

.

:

-

.

:

-

.

:

-

.

:

-

.

-

.

-

.

-

.

-

.

-

.

-

.

:

:

:

:

.

}:

{

.

.

:

.

.

.

.

( 1292 )

.

.

.

\_\_\_\_\_  
:

\_\_\_\_\_  
:

\_\_\_\_\_  
:

\_\_\_\_\_  
:

( ) : ( 1113 )

.

⋮  
\_\_\_\_\_

⋮  
\_\_\_\_\_

(28)

⋮  
\_\_\_\_\_

(11)

⋮  
\_\_\_\_\_

⋮

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

## Résumé

Le sujet de cet exposé est la réalisation d'un fameux et important poème qui est fait et écrit par SIDI MOHAMED NABIGHA EL-GHALAOUI EL-CHENGUITI (1245H/1828).

Dans son poème il a traité le thème de la FATWA, ou la consultation religieuse. Il a cité les livres et les dictons qui sont pris comme base de la FATAWA et ceux qui ne le sont pas et il a parlé d'un certain nombre de livres qui sont référés faussement à de grands savants ; de certaines décisions religieuses rejetées, et les conditions de prépondérance des lois en vigueur et des coutumes. Les déformations et les réformations, comme il a parlé du sujet de l'assiduité (IDJTIHAD) et du mimétisme. Il a aussi parlé des différentes classes des MUFTIS et les conditions d'un MUFTI et d'autres importants sujets avec plus d'analyse et de critique.

Cette oeuvre complète, composée de 314 vers a été présentée en :  
Une introduction, huit chapitres et une conclusion.

- 1- Une préface. (28 vers)
- 2- Une introduction sur la prohibition de faciliter la FATWA (16 vers)
- 3- Chapitre N°1: Les citations et les livres adoptés à la (FATWA). (27 vers)
- 4- Chapitre N°2 : Les livres dont le contenu est exclusif ne sont pas crédibles (45 vers)
- 5- Chapitre N°3: Les livres et les citations diaboliques. (31 vers)
- 6- Chapitre N°4: Les recherches et des compréhensions des savants ne sont pas des textes sacrés. (28 vers)
- 7- Chapitre N°5 : Les conditions du travail suivant les lois en vigueur. (18vers)
- 8- Chapitre N°6 : La prépondérance par les coutumes. (17 vers)
- 9- Chapitre N°7 : La prépondérance par les déformations et les réformations. (10 vers)
- 10- Chapitre N°8 : Les trois classes des MUFTIS. (47 vers)
- 11-La conclusion : Le minimum des critères attribués à un MUFTIS à notre époque. (47 vers)

L'importance de ce fameux poème apparaît dans les points suivants:

- 1- Le poète a essayé de fonder une théorie générale pour « LA FETWA » chez les MALIKITES.
- 2- Il a cité un grand nombre de titres de livres MALIKITES afin de les faire connaître aux gens.
- 3- En plus, il a parlé aussi d'un grand nombre de savants MALIKITES, leurs livres, leurs efforts et leurs mérites.
- 4- L'étude de ce poème a permet la diffusion d'une conscience religieuse et de faire connaître un bon nombre de savants et leurs écrits, chose qui relie cette généralisation avec ses ancêtres.



J'ai scindé cet exposé en deux grandes parties : Une partie d'étude et une partie d'investigation.

**PARTIE N° I** : La partie d'étude est composée de deux chapitres.

**Chapitre n°I**. Consacré à la vie du poète.

**Chapitre N° II** : Consacré à l'étude de son œuvre.

Le chapitre I comporte cinq exposés dans lesquels, j'ai essayé de donner une vision complète sur le poète, sa naissance et sa vie, son pays, ses maîtres, ses œuvres, son portrait moral et sa mort.

**\* Le pays du poète, sa naissance et sa vie intellectuelle.**

J'ai abordé l'histoire de L'islam dans ce pays et la conversion de sa communauté à l'Islam qui l'ont défendu et diffusé en Afrique, je me suis penché dans cet exposé sur la situation culturelle et scientifique dans ce pays à travers (MAHDARA) les écoles coraniques, et j'ai définis ce système d'éducation religieuse en citant ses caractéristiques comme suit :

a- MAHADAR est une université qui présente à l'étudiant des connaissances encyclopédiques dans différents arts et connaissances à haut niveau.

b- C'est une université populaire qui reçoit des étudiants de différents niveaux intellectuels, de différentes catégories : âges, sexe, social.

c- C'est une université nomade qui se déplace suivant les conditions climatiques et les besoins de la population durant les différentes saisons.

d- Elle a un programme spécial lié à l'apprentissage par le livre et non pas par année scolaire, à chaque fois que l'étudiant achève l'étude d'un livre passe à l'étude d'un autre.

e- L'apprentissage se base sur la mémorisation, le savoir n'est que celui qui est appris par cœur et gardé en mémoire.

f- Il se base aussi sur le cours magistral et les références cités par les maîtres et les hommes.

g- MAHDARA n'attribue pas de diplômes ni grades comme ce qui se fait dans les autres universités.

Comme j'ai aussi cité les principaux livres agrées chez les CHANGUITES.

**\* Dans le 2ème exposé** j'ai parlé des facteurs d'attachement des maghrébins à la voie MALIKITES et les lieux de sa diffusion et l'histoire de son arrivée dans ce pays, je peux résumé les raisons de sa diffusion et les facteurs d'attachement des maghrébins à cette voie.

a- L'apparition de la voie MALIKITES dans les lieux saints en général et surtout dans la Médine ce qui lui donne un grand mérite.

b- L'hommage fait par le Prophète Mohamed (que la paix et le salut soient avec lui) pour l'imam de la Médine.

c- La reconnaissance du savoir du l'imam Malek, et sa crainte de Dieu par l'ensemble des imams.

c- La ressemblance des deux régions, le Maghreb et le Hijaz du côté de la civilisation, les traditions, le nomadisme ...etc.

d- La nature de la voie MALIKITES et ses caractéristiques.

J'ai cité aussi l'étude de la servitude religieuse des CHENGUITIS pour la voie MALIKITES et pour la légitimité islamique. J'ai résumé ce thème dans ces différents points :

1- Travailler avec le patrimoine MALIKITES existant : explication et citation.

2- Une nouvelle production dans des différentes sciences comme la jurisprudence, la théologie .....ect .

3- Défendre la voie MALIKITES et la protection de la conception MALIKITES.

4- La comparaison et la prépondérance même ci – cela mène à quitter la voie

Aussi, j'ai abordé la tentation du cheikh Mohamed ELMAMI CHENGUITE (1292H) la fondation d'une nouvelle théorie sur l'assiduité dans cette voie MALIKITES.

En plus, j'ai parlé des mouvements de l'écrit et de la formation chez les CHENGUITIS, leurs arts scientifiques et j'ai présenté les noms de certains ouvrages dans tout art.

\* **Dans mon troisième exposé** concernant la présentation du poète sa vie intellectuelle où j'ai cité son origine et filiation et le rang social de sa tribu et la raison de son appellation par ENABIGHA (le génie) et j'ai aussi cité ses maîtres et ses œuvres.

\* **Dans le quatrième exposé** j'ai cité ses qualités et la reconnaissance des savants (OULAMAS) pour son savoir, en essayant de faire son portrait il était reconnu par son intelligence, son rejet au chauvinisme, fier et modeste, exerçait de son savoir, c'était un homme gaie, comme j'ai répondu aux accusations qui disaient que le livre (le résumé de Khalil) ne le plaisait pas, car il critiquait les doctes (Foukaha), et j'ai cité la date de sa mort.

**Chapitre n°II** : La partie d'étude du poème.

Je l'ai spécifié à l'étude du poème et il se devise en cinq exposés :

\* **Dans le premier exposé** j'ai parlé du titre du poème et le désaccord entre les savants (OULAMAS) là dessus et les raisons de mon choix à ce titre, comme j'ai démontré sa référence à l'auteur.

\* **Dans le deuxième exposé** j'ai cité les raisons de sa composition. Voyons l'ignorance des gens sur la (FATAWA) et ses bases et le fait de ne pas distinguer entre ce qui est passible (yajouz) et non, et j'ai montré l'origine de ce poème et ce qui a été cité par le savon ABOU ELABAS AHMED ELHILALI décédé en (1113H) dans sans livre (Nour Elbasa Fi Charhi Elmokhtassar), j'ai fait une présentation complète de l'œuvre et son auteur.

\* **Dans le troisième exposé**, j'ai étudié le poème des deux côtés forme et contenu en citant ses grandes lignes, les points et les remarques jugés importants en argumentant tout ce la.

\* **Dans le quatrième exposé**, j'ai abordé la méthodologie de l'auteur à partir de son préface, et de ce que j'ai déduit en étudiant le poème, j'ai cité les différentes sources sur lesquelles il a basé son oeuvre (28 sources).

Aussi j'ai cité l'importance de ce grand poème, et l'influence qu'il a porté sur du mouvement FIKHI et sa diffusion et j'ai argumenté sur tout ce la en reproduisant les textes des savants (OULAMA) et la prendre comme base.

\* **Dans le cinquième exposé** j'ai fait l'étude des copie et la nomination des copies conformes en citant tout les détails qui lui concernent, en suite j'ai cité ma méthode dans l'étude de cet oeuvre ; je l'ai résumé en onze points. J'ai inclus des photos représentant la première, la deuxième et la dernière des copies adoptées dans cette étude.

**PARTIE N°II** La partie d'investigation : Dans cette partie j'ai essayé de présenter ce poème étudier et corriger de façon qu'il soit plus proche à son état d'origine édité par la poète suivant la méthode d'étude que j'ai suivie dans les points suivants :

- 1- Reproduction du texte avec la calligraphie actuelle en portant quelques précisions sur les noms propres et les mots.
- 2- Une comparaison entre les copie et l'approbation des différences dans la marge.
- 3- Numérotation de vers du poème.
- 4- Mettre les points sur les I (Haraka, Chakl)
- 5- Numérotation des versets coraniques dans le poème donnés dans le texte tout en donnant les noms des sourates coraniques.
- 6- Chercher l'origine des Hadiths Nabaoui cités dans le poème.
- 7- Authentification des textes et des citations existantes.
- 8- Des commentaires faits sur quelques notions afin de le rendre évidentes.
- 9- La détermination des terminologies dans le texte.
- 10- Présentation des savants cités dans ce poème.
- 11- Présentation des livres cités dans le poème.
- 12- Explication des notions qui nécessitent une explication.

Enfin, dans la conclusion j'ai parlé des résultats atteints lors de l'étude de ce poème.

## Summary

This thesis deals with the edition of an important and famous educational poem (*ManḌĒma*) by the late Sheikh SayyidĒ Muġammad al-NĒbigħa al-GħalĒwĒ al-ShanqĒĪĒ (died in 1245 a.H./ 1828 a.C.). In this poem, he treats the issue of legal verdicts (*fatwĒ*), and what the scholar may rely on in terms of teachings and books and what he may not rely on. He mentions some books which are falsely assigned to scholars and some rejected *fatwĒs*. He mentions the conditions of evaluation which are based on practice (*amal*) in use, as well as custom (*Ṣurf*) and harms and benefits (*mafĒsid wa-maĒĒliĒ*), as it deals with the question of *ijtihĒd* and *taqlĒd*, the categories of *muftĒs* and the conditions of the *muftĒ*. Those and other aspects are submitted to analysis, evaluation of proofs and criticism. The teachings of scholars in these aspects are also referred to.

The poem comprises of 314 verses in the *rajaz* metre, which the author has divided into an introduction, eight sections and an end, according to the following order:

- 1- Introduction (28 verses)
- 2- Introduction to the prohibition of negligence in *fatwĒs* (16 verses)
- 3- First Chapter: Which teachings and books can be relied on in *fatwĒs* (27 verses)
- 4- Second Chapter: Books which do not rely on solitary transmission (45 verses)
- 5- Third Chapter: On Satanic Latin teachings and books (31 verses)
- 6- Fourth Chapter: Warning against research and understanding as they are not texts (28 verses)
- 7- Fifth Chapter: On the conditions of resorting to *Ṣamal* (practice) (18 verses)
- 8- Sixth Chapter: On evaluating by *Ṣurf* (custom) (17 verses)
- 9- Seventh Chapter: On the evaluation by harms and benefits (*mafĒsid wa-maĒĒliĒ*) (10 verses)
- 10- Eighth Chapter: On the three categories of *muftĒs* (47 verses)
- 11- Closing Chapter: On the least characteristics of the *muftĒs* of these ages (47 verses)

The importance of this *ManḌĒma* lies in the following points:

- a) It gathers diverse issues concerning *fatwĒ* in a way that the author compiled a lot of what the standard books differentiate in, trying to build a general theory on *fatwĒs* in the MĒlikĒ legal school. He did so by evaluating the standard books in this legal school on the basis of what can be referred to and what cannot be referred to in issuing legal verdicts, as well as by warning of a restriction on the books and what

has been transmitted while neglecting customs and traditions and the changing of time and place.

- b) It mentions the books and references of the MĒlikĒ school, some of which are still existent and others which are lost. This revives the memory of these books and removes from them the dust of ignorance, negligence and oblivion.
- c) It often mentions the famous scholars of the MĒlikĒ legal school, which revives their remembrance and introduces them and their works. This makes us appreciate their efforts and discern their excellence.

The edition and publishing of this *ManĎĒma* contributes to creating a religious awareness. It introduces the scholars and their works and establishes the link between this present generation and their predecessors, and between this *Ummah* and its history and legacy. It is therefore considered to be a fine component of and a valuable extension to the MĒlikĒ fiqh and uĒĒl.

This research is divided into two main parts: One part devoted to the study, and another part devoted to the edition of the *ManĎĒma*. The part devoted to its study is subdivided into two sections: The first section is devoted to the life of the author, whereas the second section is devoted to the study of the poem itself.

The first section contains eight chapters in which I attempted to present a complete picture of the author's life, his country, the circumstances under which he grew up, his teachers, works, characteristics and his death. The first chapter introduces the author's region of origin, ShinqĒĪ, and the ShinqĒĪĒ society and social setup. The later is scrutinized along three sociological factors:

- A- The ZawĒya, who are those tribes devoted to knowledge, religion, language, setting up religious poems and caring for those issues related to judging (*qaĒĒ'*) and issuing legal verdicts (*iftĒ'*).
- B- The BanĒ ×assĒn, who are the people of influence and military leadership holding fast to the reigns of authority.
- C- The followers, who are formed by the working tribes.

I also treated the history of Islam in this region, starting from how Islam entered the region, how the ShanĒqĒĪ embraced Islam, defended and spread it. Further, I studied the scientific and cultural situation in this region on the basis of the lecturing system, which I introduced by presenting the most important characteristics as follows:

- a) The lecture system is a university introducing the student to encyclopedic information in different branches of knowledge and on a high level of reliability and accuracy.
- b) It is an open public university which accepts students from all cultural levels, ages, ethnic and social groups.
- c) It is a moving Bedouin university abiding by the circumstances of the desert and the inhabitants' needs in the different seasons.
- d) It has a specific method relying on books, not on the age of the student, so that every time a student has mastered a number of books, he will be admitted to the next level.
- e) It relies on memorization. Only what has been confined to memory is considered to be knowledge.
- f) It relies on the style of recitation and taking from the mouth of the teachers.
- g) The lecturing system does not issue specific certificates or degrees as universities worldwide are known to.

In this chapter, I also expounded on the most important books which are being relied on by the ShanÉqiġa.

In the second chapter, I have undertaken to analyze the factors which lead the North Africans to hold fast on the MÉlikÊ legal school, the places of its distribution, and the history of its arrival in this region. The reasons for its distribution and the factors why the North Africans are still holding fast to this legal school can be summarized in the following points:

- a) The school's appearance in the holy places in general and Medina Munawwarah in particular, which gives it a special status.
- b) The transmission of sayings on the founder of this legal school, as the Prophet (s.a.w.) said: "The people nearly beat the livers of their camels searching for knowledge (and in another transmission, striving for knowledge,) and they do not find a scholar more knowledgeable than the scholar of Medina."
- c) The fervent appraisal of different scholars for Imam MÉlik and their acknowledgement of his knowledge, excellence and fear of Allah.
- d) The resemblance of the two regions in terms of their Bedouin and cultural character, fertility and drought, morals, customs and manners.
- e) The nature of this legal school and its characteristics.

Further, I expounded on the ShanÉqiġa's service to the MÉlikÊ school in particular and the SharÊÑah in general, as they had pure hands in this field. I undertook to summarize their contribution in the following points:

- a) The dealing with the existing MÉlikÊ legacy in terms of explanation, organization and understanding.
- b) New production in the different sciences, like *fiqh*, *uÎËl*, legal maxims (*qawÉÑid*) and legal cases.
- c) Defending the MÉlikÊ school, the concern about the line of legal argumentation (*istidlÉl*) and leading back the branches to the foundations.
- d) Comparison and outweighing of evidences, even if this led to leaving the legal school.

I also related to the attempt of Sheikh MuÍammad al-MÉmÊ al-ShanqÊÏÊ (died in 1292 a.H.) to establish a new theory of *ijtihÉd* within the MÉlikÊ school, so that it may comprise of all the legal cases and new issues. After this, I devoted myself to the movement of writing and compiling with the ShanÉqiÏa and their respective customs and manners. I mentioned the different branches of knowledge in which they wrote books and a number of works in every field of knowledge.

The fourth chapter deals with the characteristics of the author and the scholars' appraisal for him in order to draw an approximate picture. I alluded to the fact that he was famous for his knowledge and intelligence, that he refused any form of nationalism, that he was proud in the positive sense working along the line of his knowledge, that he did not transgress the boundaries of Allah, that he was lighthearted and loved joking. I also turned down some allegations that he neither liked the MukhtaÍar of KhalÊl nor its commentary. I mentioned that he did not criticize the scholars and also the date and circumstances of his death.

The second part is devoted to the study of the ManÐËma. It comprises of five chapters in which I attempted at an extensive explanation of the poem within its edition.

The first chapter deals with its title and the scholar's difference of opinion about it. I explained why I chose this particular title and how it relates back to the author. In the second chapter, I mentioned the reason for its compilation as mentioned by the author, namely the ignorance about issuing legal verdicts and its principles, the lack of distinction between what is lawful and unlawful in *iftÉ'*. I also explained the origin of the poem as referred to by the scholar AbË l-ÑAbbÉs AÍmad ibnÑAbdalÑazÊz al-HilÉIÊ (died in 1113 a.H.) in his book: *NËr al-baÍr fÊ sharÍ al-mukhtaÍar*, giving an encompassing introduction on both the book and its author.

In the third chapter, I studied the *ManḌĒma* from the point of view of its structure and contents, mentioning its outlines and most important points and comments with references. In the fourth chapter, I analyzed the author's style by what he himself mentioned in his introduction and what he derived from the poem's study. Further, I mentioned the sources which he relies on, which amount to a number of 28. Then, I explained the *ManḌĒma's* importance and the scope of its influence on the *fiqh* movement and its distribution which I analyzed on the basis of the scholars' texts and statements on it.

In the fifth chapter, I undertook to study the reliable copies by mentioning all the related explanations. I also expounded on my method in the edition of this poem which is to focus on eleven topics which I deemed sufficient for the purpose of edition. I also attached copies of the first two and the last pages from the various copies relied on in editing.

In the second section devoted to editing the text, I attempted a critical and corrected edition which should be as close as possible to the original state of composition. The editing method can be characterized as follows:

- a) Copying the text in a contemporary script with some remarks on persons and expressions.
- b) A comparison between the different copies referred to in the footnotes.
- c) Ongoing numeration of the verses.
- d) Providing the entire poem with full *ĪarakĒt*.
- e) Numbering the Qur'anic verses mentioned in the text with detailed references to the respective *SĒra* and number of the verse.
- f) Taking out and mentioning the references for the Prophetic *ĪadĒth* mentioned.
- g) Verification of the texts and sayings mentioned in the poem by referring back to printed and unprinted books and manuscripts.
- h) Commenting on some of the issues to clarify on them.
- i) Defining the technical terms mentioned in the text.
- j) Biographical data for the famous persons mentioned in the *ManḌĒma*.
- k) Explanation of some expressions which require clarification.

This part is closed by a summary of the results I arrived at in the framework of my edition of the *ManḌĒma*.